मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 91
शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

भारत में इस्लामिक स्टेट कायम करने का सपना देखने वाले संगठन पर गृह मंत्रालय का सख्त एक्शन

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। गृह मंत्रालय ने वैश्विक पैन-इस्लामिक कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर को 'प्रतिबंधित संगठन' घोषित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जिहाद के माध्यम से लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है। गृह मंत्रालय ने भी HuT को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया।

ऐसा तब हुआ जब तमिलनाडु हिज्ब-उत-तहरीर मामले के संबंध में कई व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने के प्रयास शामिल थे। बुधवार को अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एचयूटी संगठन के 'नकीब' या राज्य 'अमीर' फैजुल रहमान को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार सदस्य कथित तौर पर संगठन के केंद्रीय मीडिया कार्यालय के आदेश पर गुप्त और एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने अनुयायियों के बीच एचयूटी की हिंसक विचारधारा फैला रहे थे। एनआईए के एक बयान में कहा गया, आरोपी ने कई समूहों के बीच हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा को फैलाने के लिए कई गुप्त बैठकें की थीं और पूरे तमिलनाडु में विभाजनकारी अभियान चलाया था।

एनआईए ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जो कथित तौर पर चरमपंथी, कट्टरपंथी और मौलिक संगठन से प्रभावित थे जो इस्लामी खिलाफत स्थापित करने और इसके संस्थापक तकी अल-दीन अल-नभानी द्वारा लिखित संविधान को लागू करने की कोशिश कर रहे थे।

उमर अब्दुल्ला को नेशनल कांफ्रेंस विधायक दल का चुना गया नेता

जम्मू, 10 अक्टूबर। उमर अब्दुल्ला को बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से नेशनल कांफ्रेंस का विधायक दल का नेता चुन लिया गया। पार्टी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने यहां यह जानकारी दी। फारूक ने कहा, पार्टी के विधायक दल की बैठक हुई, जिसमे उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से दल का नेता चुना गया।

उन्होंने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया को लेकर आगे बढ़ने के लिए शुक्रवार को चुनाव पूर्व गठबंधन के साझेदारों की बैठक होगी। इससे पहले नेशनल कांफ्रेंस के नवनिर्वाचित विधायकों ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अपना नेता चुनने के लिए पार्टी के मुख्यालय नवा-

ए-सुबह में बैठक की। विधायक दल का नेता ही संभवतः मुख्यमंत्री होगा। नेशनल कांफ्रेंस ने हाल में संपन्न चुनाव में 42 जबकि उसके गठबंधन साझेदारों कांग्रेस ने छह और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट जीती है। इस तरह 95 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ है। विधायकों की बैठक पार्टी के अध्यक्ष और उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला ने बुलाई थी।

भारतीय कॉरपोरेट जगत के सौम्य सम्राट थे रतन टाटा : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विख्यात उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर बृहस्पतिवार को दुख जताया और कहा कि वह भारत के कॉरपोरेट जगत के सौम्य सम्राट थे।

दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। टाटा समूह के मानद चेयरमैन की आयु 86 वर्ष थी। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, चार दशकों तक, रतन टाटा भारत के कॉरपोरेट जगत के सौम्य सम्राट थे, जिन्होंने टाटा समूह को 1991 के बाद के भारत के लिए तैयार किया।

यह आसान नहीं था क्योंकि जब वह जेआरडी टाटा के उत्तराधिकारी बने तो वह स्वयं किंवदंतियों से घिरे हुए थे, लेकिन वह अपनी दूरदर्शिता, संकल्प और धैर्य से विजयी हुए। उन्होंने कहा कि उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा शानदार थी और वह वास्तव में कारोबार जगत के एक अगुवा से कहीं अधिक थे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री रमेश ने कहा, मैं रतन टाटा से पहली बार सितंबर 1985 में मिला था, जब मैं उद्योग मंत्रालय में था और वह टाटा समूह के लिए 20 साल की रणनीतिक योजना पेश करने के लिए एक टीम के साथ आए थे। इसके बाद मैं समय-समय पर उनके संपर्क में रहा। उन्होंने कहा, वह हमेशा भारत के आर्थिक इतिहास में एक बहुत सम्मानित और प्रतिष्ठित नाम बने रहेंगे, खासकर उन मूल्यों के लिए, जिनका उन्होंने उदाहरण पेश किया और समर्थन किया।

हरियाणा में हार पर कांग्रेस में मंथन, हुड्डा और सैलजा नहीं हुए शामिल

हरियाणा, 10 अक्टूबर। हरियाणा में कांग्रेस की हार ने पार्टी को परेशान कर रखा है। इसी को लेकर आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पार्टी की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन और अन्य नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि हमने हरियाणा चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की। चुनाव नतीजे अभूतपूर्व थे। एग्जिट पोल और वास्तविक नतीजों में बहुत अंतर था। हमने तय कर लिया है कि हम आगे क्या करेंगे।

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि हम इस नुकसान को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं।' एग्जिट पोल में जनता एक सुर में कह रही थी कि कांग्रेस (हरियाणा में) सरकार बनाएगी। हमें इसकी जड़ तक जाने की जरूरत है। वहीं, सूत्रों का दावा है कि इस बैठक में राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि नेताओं ने निजी हित को पार्टी से ऊपर रखा है। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा के नहीं शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर माकन ने कहा कि जिनको बुलाया गया था, वो सभी आए थे।

कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम से जुड़ी शिकायतों के बारे में बुधवार को निर्वाचन आयोग को अवगत कराया था और इनकी जांच की मांग की थी।

मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से यह आग्रह भी किया था कि उन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को जांच पूरी होने तक सील करके सुरक्षित रखा जाए, जिनको लेकर सवाल उठे हैं।

कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को अप्रत्याशित और लोक भावना के खिलाफ करार देते हुए मंगलवार को कहा था कि इस जनादेश को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि राज्य में तंत्र की जीत और लोकतंत्र की हार हुई है।

सीसीएस ने 31 प्रीडेटर ड्रोन की खरीद, परमाणु पनडुब्बियों के स्वदेशी निर्माण संबंधी सौदे को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सुरक्षा मामलों से जुड़ी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने भारत की सैन्य शक्ति में इजाफा करने के मकसद से अमेरिका से 31 प्रीडेटर लॉन्ग-एंड्योरेंस ड्रोन की खरीद और परमाणु ऊर्जा से संचालित दो पनडुब्बियों के स्वदेशी निर्माण संबंधी सौदे को बुधवार को मंजूरी दे दी। मामले से अवगत अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, एमक्यू-9बी हंटर किलर ड्रोन विदेशी सैन्य बिक्री माध्यम के तहत अमेरिकी की जनरल एटॉमिक्स से लगभग 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से खरीदे जाएंगे।

उन्होंने बताया कि परमाणु ऊर्जा से संचालित दोनों पनडुब्बियों का निर्माण लगभग 40,000 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाले सीसीएस ने दोनों प्रमुख खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी।

सपा और कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा : अखिलेश यादव

इटावा। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी और विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सहयोगी कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा द्वारा बुधवार को इनमें से छह सीटों के लिये उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंधन के बरकरार रहने को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच अखिलेश का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यादव ने इटावा के सैफई में अपने पिता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, आज समय नहीं है इस पर चर्चा का।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आसियान देशों के साथ संबंधों को और गहरा करने का अवसरः मोदी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए लाओस की उनकी यात्रा आसियान देशों के साथ संबंधों को और गहरा करेगी।

लाओस रवाना होने से पहले अपने जारी एक बयान में मोदी ने कहा कि भारत इस साल एक्ट ईस्ट नीति का दशक पूरा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आसियान नेताओं के साथ हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करूंगा और हमारे सहयोग की भविष्य की दिशा तय करूंगा। उन्होंने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए चुनौतियों पर

विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा। मोदी ने कहा कि लाओस जनवादी लोकतान्त्रिक गणराज्य (लाओ पीडीआर) समेत क्षेत्र के साथ भारत के करीबी, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं जो बौद्ध धर्म और रामायण की साझा विरासत से समृद्ध हैं। उन्होंने कहा, मैं लाओ पीडीआर नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों को लेकर आशान्वित हूं ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके। मोदी लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफनाडोन के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर आज विएंतियाने पहुंच जाएंगे।

इस दौरान वह 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। आसियान-भारत सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी 10वीं बार हिस्सा लेंगे। वह आसियान देशों के अन्य शासनाध्यक्षों के साथ भारत और आसियान के बीच संबंधों की प्रगति की समीक्षा करेंगे और परस्पर संबंधों की दिशा भी तय करेंगे।

उद्योगपति टाटा का निधन, भारतीय उद्योग और समाज के लिए अपूर्णीय क्षतिः ममता बनर्जी

कोलकता, 10 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया और इसे भारतीय व्यापार तथा समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उनका निधन भारतीय व्यापार जगत और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के स्टालिन ने टाटा को भारतीय उद्योग जगत का सच्चा रत्न और विनम्रता एवं करुणा का प्रतीक बताया।

स्टालिन ने कहा, उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने न केवल टाटा समूह को आकार दिया, बल्कि नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के लिए एक वैश्विक मानदंड भी स्थापित किया। राष्ट्र निर्माण, नवाचार और परोपकार के प्रति उनके अथक समर्पण ने लाखों लोगों के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्र टाटा की विरासत को सदैव संजोकर रखेगा। मंत्रालय ने उन्हें एक दूरदर्शी नेता बताया। अभिनेता सलमान खान ने कहा कि वह रतन टाटा के निधन से बहुत दुखी हैं। अभिनेता राणा दग्गुबाती ने कहा कि रतन टाटा नेतृत्व, परोपकार और नैतिकता के प्रतीक थे और उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। अभिनेता रितेश देशमुख ने भी टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जैसा व्यक्ति दोबारा पाना संभव नहीं है और वह उनके निधन से बहुत दुखी हैं। अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल ने कहा कि इस क्षति को सहन करना बहुत कठिन है और उन्होंने टाटा को विदाई संदेश भेजा। रतन टाटा (86) ने मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली और वह इस अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से भर्ती थे।

संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती बालिकाएं

-ललित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस- 11 अक्टूबर, 2024

दुनियाभर में बालिकाओं को सम्मान एवं समानतापूर्ण जीवन में हिस्सेदारी बढ़ाने, उसके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों और बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में महिलाओं के विकास में आने वाला बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। इस दिवस का उद्देश्य है कि दुनियाभर की बालिकाओं की आवाज को सशक्त करना और आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना। वर्ष 2024 के इस दिवस की थीम है भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण, जो बालिकाओं की आवाज की शक्ति और भविष्य के लिए दृष्टि से प्रेरित, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और सतत आशा, दोनों को व्यक्त करता है।

आज की बालिकाओं की एक सम्पूर्ण पीढ़ी जलवायु, संघर्ष, युद्ध, गरीबी, मानव अधिकारों और लैंगिक असमानता जैसे वैश्विक संकटों से जूझ रही है। बहुत सी लड़कियों को अभी भी उनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, जिससे उनके विकल्पों पर प्रतिबंध लगता है और उनका भविष्य सीमित हो जाता है। फिर भी हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि लड़कियाँ न केवल संकट का सामना करने में साहसी हैं, बल्कि भविष्य के लिए आशावान भी हैं। हर दिन, वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करने के लिए कदम उठा रही हैं जिसमें सभी लड़कियों को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार प्राप्त हों। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। देश एवं दुनिया में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की विशेष प्रासंगिकता है। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरूआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम ह्यक्योंकि मैं एक लड़की हूं रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम बाल विवाह को समाप्त करनाह्व था। आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है।

समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते हैं की लड़कियां केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गजब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। बावजूद इसके सही समर्थन, संसाधन और अवसरों के साथ, दुनिया की 1.1 बिलियन से ज्यादा लड़कियों की क्षमता असीम है और जब लड़कियां नेतृत्व करती हैं, तो इसका प्रभाव तत्काल और व्यापक होता है। परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाएं सभी मजबूत होती हैं, हमारा भविष्य उज्जवल होता है। अब समय आ गया है कि लड़कियों की बात सुनी जाए, ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश किया जाए जो भविष्य की ओर प्रगति को गति देंगे, जिसमें हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी।

सच्चे देशभक्त थे दिग्गज उद्योगपति, टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा

अशोक भाटिया

टाटा समूह के चेयरमैन और वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा ने बुधवार रात इस दुनिया को छोड़ कर चले गए। 86 साल की उम्र में देश और दुनिया को अलविदा कहने वाले रतन टाटा को खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो दिन पहले ही उन्होंने अपने स्वास्थ्य पर किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और खुद क स्वस्थ बताया था। पर कुदरत की होनी को कौन टाल सकता है . रतन टाटा का दुनिया से जाना भारत के लिए बड़ी क्षति है. पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित, उन्होंने टाटा की महान विरासत को आगे बढ़ाया और इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति दी। रतनजी टाटा नैतिकता और उद्यमशीलता के अपूर्व और आदर्श संगम थे। लगभग 150 वर्षों की उत्कृष्टता और अखंडता की परंपरा वाले टाटा ग्रुप की कमान सफलतापूर्वक संभालने वाले रतनजी टाटा एक जीवित किवदंती थे। उन्होंने समय-समय पर जिस निर्णय क्षमता और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया,उससे टाटा समूह एक अलग औद्योगिक ऊंचाइयों पर पहुंचा। उनके दुखद निधन से भारत ने एक ऐसे आइकन को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट विकास को राष्ट्र निर्माण और उत्कृष्टता को नैतिकता के साथ जोड़ा।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई दिग्गजों ने उनके निधन पर शोक जाता रहे है. रतन टाटा को राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी जा रही है . उनके सम्मान में महाराष्ट्र और झारखंड सरकार ने राजकीय शोक की घोषणा की है. राजकीय शोक का ऐलान के साथ उस अवधि तक राज्य की विधानसभा, सचिवालयों और महत्वपूर्ण कार्यालयों में लगे तिरंगे को आधा झुका दिया गया है. शोक की घोषणा के बाद राज्य में सभी सरकारी कार्यक्रम तथा सभी समारोह का आयोजन रद्द किया गया है। गौरतलब है कि पहले राजकीय शोक की घोषणा प्रधानमंत्रियों, राज्य के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों (पूर्व या वर्तमान में पद पर आसीन) के निधन पर ही की जाती थी. अब इस नियम को बदल दिया गया है. अब यह सम्मान उन सभी व्यक्तित्वों को दिया जाता है, जिन्होंने राष्ट्र के नाम को ऊंचा करने के लिए काम किया है. उनके कद और काम को देखते हुए राज्य सरकार यह फैसला लेती है. अब जीवन के सभी क्षेत्रों- राजनीति, विज्ञान, साहित्य, कला, कानून में बड़ा योगदान देने वाले लोगों को यह राजकीय सम्मान दिया जाता है। इस अवसर पर उनके जीवनकाल में हुए सामाजिक व राष्ट्रीय कार्यों के बारे में चर्चा करना भी जरुरी है । वर्ष 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी.एस. की डिग्री प्राप्त करने के बाद टाटा पारिवारिक फर्म में शामिल हुए थे। एक दशक की निरंतर मेहनत करने के बाद वे टाटा इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष बने। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 1991 में अपने चाचा जेआरडी टाटा से टाटा समूह के अध्यक्ष का पद संभाला, जो आधी सदी से भी अधिक समय से इस पद पर थे। जब भारतीय अर्थव्यवस्था की शुरूआत हो रही थी उसी दौरान टाटा समूह की भी वर्ष 1868 में एक छोटी कपड़ा और व्यापारिक फर्म के रुप में शुरूआत हुई थी। समय बीतने के साथ टाटा समूह एक वैश्विक महाशक्ति में तब्दील हुआ था। इसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र से लेकर एयरलाइन्स तक फैला हुआ था। भारतीय

अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ ही टाटा समूह, जो 1868 में एक छोटी कपड़ा और व्यापारिक फर्म के रूप में शुरू हुआ था, को एक वैश्विक महाशक्ति में बदल दिया, जिसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र से लेकर एयरलाइन्स तक फैला हुआ था।

टाटा के लिए वर्ष 2008 काफी मुश्किल था। दरअसल 2008 में 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने समुद्र के रास्ते दक्षिण मुंबई में घुसपैठ की और ताज होटल और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस सहित शहर के कई प्रमुख स्थानों पर हमले किए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) द्वारा किये गए अंधाधुंध हमले में 166 लोगों की जान चली गई और 300 से अधिक लोग घायल हो गए।हमले के दौरान, रतन टाटा 70 वर्ष के थे। उन्होंने तभी ये दृढ़ संकल्प दिखाया था। उन्हें प्रतिष्ठित ताज होटल के कोलाबा छोर पर खड़े देखा गया और सुरक्षा बलों ने ताज होटल में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया। हमले में मारे गए 166 लोगों में से 33 लोग टाटा समूह के प्रतिष्ठित ताज होटल पर 60 घंटे तक चले हमले में मारे गए थे। इनमें 11 होटल कर्मचारी भी शामिल हैं। हमले के बाद, रतन टाटा ने ताज होटल को पुनः खोलने का वचन दिया। उन्होंने हमले में मारे गए या घायल हुए लोगों के परिवारों की देखभाल करने का भी वचन दिया। बीबीसी के अनुसार, उन्होंने मारे गए लोगों के रिश्तेदारों को उतना वेतन दिया, जितना वे जीवन भर कमा सकते थे। कुछ ही महीनों के भीतर, टाटा समूह ने आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट (TPSWT) का गठन किया। डेक्कन हेराल्ड के अनुसार, रतन टाटा ने खुद पीड़ितों के घर जाकर यह सुनिश्चित किया कि उनकी देखभाल की जा रही है।

वर्ष 2020 में रतन टाटा ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों को याद किया था। उन्होंने कहा था कि कुछ सालों पहले हुए विनाशकारी विनाश को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में उद्योगपति ने उस दिन सभी मतभेदों को भुलाकर एक साथ आने के लिए मुंबई के लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, आज से 12 साल पहले जो विध्वंस हुआ, उसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। लेकिन उससे भी ज्यादा यादगार बात यह है कि मुंबई के विविध लोगों ने एक साथ मिलकर, सभी मतभेदों को भुलाकर, उस दिन आतंकवाद और विध्वंस को परास्त किया। आज, हम निश्चित रूप से उन लोगों के लिए शोक मना सकते हैं, जिन्हें हमने खो दिया और उन बहादुरों के बलिदान का सम्मान कर सकते हैं, जिन्होंने दुश्मन पर विजय पाने में मदद की, लेकिन हमें जिस चीज की सराहना करनी चाहिए, वह है एकता और दयालुता और संवेदनशीलता के कार्य, जिन्हें हमें संजोना चाहिए और उम्मीद है कि आने वाले सालों में भी ये चमकते रहेंगे। यही नहीं 26/11 मुंबई हमले के बाद, ताज होटल के पुनर्निर्माण के लिए रतन टाटा ने टेंडर जारी किया, जिसमें पाकिस्तान की कंपनियों ने भी आवेदन किया था। जब रतन टाटा को यह पता चला, तो उन्होंने उन पाकिस्तानी प्रतिनिधियों से मिलने से साफ मना कर दिया। उनके अनुसार, मैं अपने देश के खिलाफ किसी भी प्रकार की गद्दारी नहीं कर सकता। यह उनके देशप्रेम और निष्ठा को दिखाता है। 1998 में, रतन टाटा ने अपनी पहली कार, इंडिका, लॉन्च की। यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था, लेकिन बाजार में इसे अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली और कंपनी घाटे में चली गई। इस कारण, रतन टाटा को कंपनी बेचने का विचार आया और वे फोर्ड के पास प्रस्ताव लेकर गए। लेकिन बैठक में फोर्ड के मालिक बिल फोर्ड ने अपमानजनक टिप्पणी करते हुए कहा, ह्जिस व्यापार की समझ नहीं, उसमें इतना पैसा क्यों लगाया? यह सुनकर रतन टाटा ने कंपनी बेचने का विचार छोड़ दिया और इंडिका को एक सफल ब्रांड बनाने का संकल्प लिया। 2008 में, जब फोर्ड आर्थिक संकट में था, टाटा ने लैंड रोवर और जगुआर कंपनियों को खरीदा। इस बार बिल फोर्ड ने कहा, ह्आप हमारी कंपनी खरीदकर हम पर बड़ा एहसान कर रहे हैं। 1980 के दशक में, एक गैंगस्टर टाटा मोटर्स के कर्मचारियों को धमकाकर हड़ताल करवाना चाहता था। रतन टाटा ने खुद मोर्चा संभाला और प्लांट में कई दिनों तक रहकर कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। उनकी कोशिशों के कारण गैंगस्टर पकड़ा गया और काम दोबारा शुरू हो गया। यह घटना उनके कर्मचारियों के प्रति समर्पण और साहस को दशार्ती है। रतन टाटा का सपना था कि हर भारतीय परिवार के पास एक कार हो, और इसी सोच के साथ उन्होंने टाटा नैनो लॉन्च की। लेकिन यह परियोजना व्यावसायिक रूप से उतनी सफल नहीं हो पाई। इसके बाद रतन टाटा ने सबसे अच्छे फेल्योर प्रोजेक्ट के लिए इनाम देने की परंपरा शुरू की, ताकि लोग असफलताओं से भी सीख सकें। यह उनके सीखने की भूख और आगे बढ़ते रहने की प्रवृत्ति का प्रमाण है।

एक बार टाटा मोटर्स में लेबर यूनियन और प्रबंधन के बीच बहस के बाद कर्मचारियों ने बोनस की मांग की। रतन टाटा खुद यूनियन के साथ बैठकर उनकी बात सुनी और प्रबंधन को बोनस देने के लिए कहा। कर्मचारियों ने यह देख खुद ही बोनस लेने से मना कर दिया, क्योंकि उनके लिए रतन टाटा का समर्थन ही सबसे बड़ा बोनस था। एक बार रतन टाटा को एक कॉलेज समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। समारोह में बच्चों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे कुछ अफरा-तफरी मच गई और एक बच्ची गिरकर घायल हो गई। रतन टाटा ने यह देखा और तुरंत घोषणा की कि वे सभी बच्चों से मिलकर ही जाएंगे। फंक्शन खत्म होने के बाद, जब फ्लाइट का समय हो गया था, तो उन्होंने अपनी फ्लाइट कैंसिल कर दी ताकि वे सभी बच्चों से मिल सकें। उनका यह वादा निभाना उनकी ईमानदारी और लोगों के प्रति जुड़ाव को दशार्ता है। रतन टाटा अपने अमीर होने के बावजूद हमेशा जमीन से जुड़े रहे। एक बार किसी फंक्शन में, जहां लोगों ने उन्हें कुर्सी पर बैठने को कहा, उन्होंने कुर्सी को हटाकर पहली पंक्ति के लोगों के साथ बैठना पसंद किया। इस घटना से उनकी सादगी और लोगों के साथ जुड़ने की उनकी सहजता का पता चलता है।

रतन टाटा : एक देशभक्त, एक भविष्यदृष्टा, एक महान व्यक्तित्व

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन नवल टाटा ने 9 अक्टूबर 2024 को इस फानी दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनकी विरासत और मानवता के विकास में उनका योगदान भारत और दुनिया में हमेशा याद रखे जाएंगे। वे साधारण जीवनशैली जीने वाले ऐसे असाधारण व्यक्ति थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि भारत के आधारभूत ढांचे को भी मजबूती प्रदान की है। वे अपने पीछे ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जिसका आकार उनके बेहद सफल व्यापारिक साम्राज्य से कई गुना बड़ा है। उन्होंने हमें यह सिखाया कि असली सफलता का मतलब सिर्फ व्यवसाय में सफल होना नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा करना भी है। रतन टाटा का जीवन एक प्रेरणादायक कहानी है, जो उनके दृढ़ निश्चय, अद्वितीय नेतृत्व और सबसे ऊपर उनकी देशभक्ति को रेखांकित करती है। उनका जन्म सूरत में नवल टाटा और सूनी टाटा के घर हुआ था, उनकी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के कैंपियन स्कूल में हुई। बाद में उन्होंने कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल, शिमला के बिशप कॉटन स्कूल और न्यूयॉर्क शहर के रिवरडेल कंट्री स्कूल में पढ़ाई की। उनकी उच्च शिक्षा कॉर्नेल विश्वविद्यालय से हुई। 1962 में वास्तुकला में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद, वे भारत लौट आये और उस समूह के लिए काम करना शुरू किया जिसकी स्थापना उनके परदादा ने लगभग एक शताब्दी पहले की थी।

जब जेआरडी टाटा ने 1991 में टाटा संस के अध्यक्ष पद छोड़ते हुए रतन टाटा को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया तब कंपनी के कई दिग्गजों ने इस निर्णय का कडा प्रतिरोध किया था। लेकिन टाटा संस के चेयरमैन बनने के बाद बगैर कोई

प्रतिक्रिया दिए अपने शांत व्यवहार और विनम्रता के साथ रतन टाटा ने नेतृत्व कुशलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 5 बिलियन डॉलर के टाटा समूह को 156 बिलियन डॉलर की वैश्विक दिग्गज कंपनी में बदल दिया, जिसका परिचालन आज दुनिया के 100 से भी अधिक देशों में होता है जहां दस लाख से भी ज्यादा लोग काम करते हैं।

एक महान देशभक्त भारतीय नागरिक के रूप में वो अपनी हर कारोबारी पहल में भारत को सबसे पहले रखते थे। उन्हें भारत को बेहतर बनाने की गहरी चिंता थी, उनकी देशभक्ति और भारतीयता के प्रति प्रतिबद्धता ने पूरी दुनिया में बसे करोड़ों भारतीयों के दिलों में उन्हें दुनिया के सबसे सम्मानित व्यावसायिक प्रतीक चिन्ह के रूप में स्थापित कर दिया था। रतन अक्सर कहा करते थे कि वह एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किये जाना चाहते हैं, जिसने जिसने कभी दूसरों को चोट पहुंचाए बगैर व्यवसाय के सर्वोत्तम हित के लिए काम किया और बदलाव लाने में सक्षम रहा। उन्होंने साहस और दृढ़ विश्वास से भरा जीवन जीया और जीवन के प्रति खुशनुमा नजरिया अपने अंत समय तक बनाए रखा। अपनी कारोबारी सूझबूझ, शालीनता, गरीमामय भविष्यवादी दृष्टीकोण, विचारों में स्पष्टता, निर्णयों में दृढ़ता और परोपकारिता के चलते उनके नेतृत्व में टाटा का नाम एक वैश्विक भरोसा बन चुका है। उन्होंने नमक से लेकर स्टील, सॉफ्टवेयर से लेकर ऑटोमोबाइल और बिजली से लेकर एविएशन तक का सफर चमत्कृत कर देने वाली सफलता के साथ तय किया। रतन टाटा ने टेटली, जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) और एंग्लो-डच स्टील निमार्ता कोरस का अधिग्रहण किया, जिससे टाटा समूह की वैश्विक छवि मजबूत हुई। यूं तो उनको अनेकों कारोबारी सम्मान मिले हैं लेकिन पद्म भूषण, महाराष्ट्र भूषण, पद्म विभूषण, नाइट ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर, असम बैभव और ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं और बहुमुखी प्रतिभा को दशार्ता है। उन्होंने टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित आदर्शों के साथ कभी समझौता नहीं किया चाहे उसके लिए उनको कोई भी कीमत क्यों ना चुकानी पडी हो। वह मदिरा सेवन और धूम्रपान जैसी प्रचलित कार्पोरेट बुराईयों से कोसों दूर थे लेकिन समय मिलने पर कार चलाना, जेट विमान उड़ाना और सप्ताहांत में मुंबई के बंदरगाह पर अपनी स्पीड बोट दौड़ाना उनके पसंदीदा शौक थे। उनका विचार था कि हर भारतीय के पास अपनी कार होनी चाहिए। इसी विचार के चलते 2008 में उन्होंने अपनी निजी देखरेख में बनी दुनिया की सबसे सस्ती कार नैनो लॉन्च की थी। रतन टाटा के निधन की खबर आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ४रतन टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों को अपना मुरीद बना लिया था।देश के एक महान सपूत को श्रद्धांजलि देते हुए हम समस्त भारतीय यही कह सकते हैं कि उनकी विरासत हमें प्रेरित करती रहेगी, और हम उन सिद्धांतों को कायम रखने का प्रयास करते रहेंगे जिनका उन्होंने इतने जुनून के साथ ताउम्र पालन किया था।

समानतावाद के अग्रणी नेता रहे जयप्रकाश नारायण

- सुरेश सिंह बैस ''शाश्वत''

11 अक्टूबर लोकनायक जयप्रकाश की जयंती पर विशेष

लोकनायक जयप्रकाश जी एक ऐसे व्यक्तित्व के स्वामी थे, जो न पद का भूखा था और न ही धन वैभव का लालच उन्हें अपनी ओर आकर्षिक कर पाया। तभी तो भारत की आजादी के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने अपने मंत्रिमंडल में उन्हें बहुत लेने का प्रयास किया, मगर जयप्रकाश नारायण ने हमेशा उनके प्रस्ताव को नकार दिया, हाँ मगर देश सेवा और जनसेवा के महानव्रत का उन्होंने पालन जीवनपर्वत किया। भारत में समाजवाद और समानता का संदेश देने वालों में जयप्रकाश नारायण अग्रणी नेता रहे हैं। इनका जन्म 11 अक्टूबर 1902 विजयादशमी के दिन बिहार के सिताब दियारा नामक गंगा और सरयू के संगम तट पर स्थित कस्बे में हुआ। जयप्रकाश नारायण के पिता बाबू हरसूद लाल सरकारी मुलाजिम थे, इनकी माता का नाम फुलरानी देवी था। इनकी प्रारंभिक पढाई की व्यवस्था पिता ने वहीं करवाई। इसके पश्चात कालेज की पढ़ाई के लिए पटना के विज्ञान महाविद्यालय में इन्होंने एडमिशन लिया। उनकी पढ़ाई चल ही रही थी कि देश में स्वतंत्रता संग्राम की आग भड़की उठी। जयप्रकाश नवयुवावस्था में ही गांधीजी के आव्हान पर पढ़ाई लिखाई छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गये। गांधीजी के इस चलाये गये असहयोग आंदोलन में उन्होंने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। उसके बाद जयप्रकाश नारायण प्रभावती नामक कन्या से विवाह सूत्र में बंधे। अभी विवाह हुए कुछ ही दिन हुये थे कि उन्होंने नववधु को छोड़कर उच्च अध्ययन के अमेरिका जाने का निर्णय ले लिया। अमेरिका में वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ खर्चा चलाने के लिये कामधंधों में भी जुट रहे। इस दौरान उन्होंने होटलों में

बर्तन साफ किये तो कभी जूते पॉलिश भी किए, पर अपनी पढ़ाई पर उन्होंने कभी भी हर्जा नहीं आने दिया। वे वहां सात वर्ष की पढ़ाई कर समाज शास्त्र जैसे विषय पर मास्टर की डिग्री हासिल कर भारत वापस लौटे। अमेरिका जैसे व्यापारिक देश और वहां की सामाजिक विदुषता का उन्हें कटु अनुभव हुआ था। यही कारण था कि उनके विचारों में समाजवाद की जड़ें काफी गहरे तक जम चुकी थी। स्वदेश आने के बाद जयप्रकाश नारायण सन 1929 में उन्होंने जवाहरलाल नेहरु से मुलाकात की। नेहरू जी उनके विचारों से बहुत प्रभावित हुये और उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते जयप्रकाश को कांग्रेस में श्रम अनुसंधान ब्यूरो का काम देखने का भार सौंप दिया। अपना दायित्व जयप्रकाश नारायणन ने बड़ी कुशलता से निभाया। उनके कार्यों की नेहरु एवं गांधीजी ने काफी प्रशंसा की। इसी बीच सन 1930 को गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन भी छेड़ दिया और कांग्रेस का कर्मठ कार्यकर्ता होने के नाते जयप्रकाश नारायण इस आंदोलन में सक्रिय होकर आंदोलन को सफल बनाने में जुट गये। अंग्रेज सरकार से उनकी कार्य गतिविधियां छुपी नहीं थी। ब्रिटिश दुश्मन ने तत्काल उन्हें गिरफ्तार कर लिया और नासिक के जेल में बंद कर दिया। जेल से छूटने के बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी के अधीन एक अलग समाजवादी दल बनाया। सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में ब्रिटिश दुश्मन ने उन्हें गिरफ्तार करने के लिये जहां तहां छापे पर छापे मारने शुरू कर दिये ।यह देखकर वे भूमिगत होकर आंदोलन का कार्य करने लगे ,पर इसके बाद भी वे पकड़े गये। इस दौरान वे फिर छूटते और कुछ दिनों पश्चात फिर बंद कर दिये जाते। यह क्रम देश की मन स्वतंत्रता तक चलता रहा । आखिरकार लोगों की कुर्बानियों ने रंग दिखाया और भारत आजाद हो गया। स्वतंत्रता के बाद जयप्रकाश नारायण वैसे ही जनता और जमीन से जुड़कर देशसेवा में लगे रहे जैसे स्वतंत्रता पूर्व वे करते रहे थे। पर आजादी के बाद समाजवादी सोशलिस्ट पार्टी में आपसी ने खीचतान और कलह से उनका मन बहुत खराब हो गया। और तब उन्होंने पार्टी को त्यागकर अलग से अपनी देशसेवा जारी रखी। गाँधीवाद और उनकी नीतियों पर उनका अटूट विश्वास था। सन 1974 में युवकों ने बिहार आंदोलन चलाया। जिसका नेतृत्व जयप्रकाश ने अहिंसा के शर्त के साथ स्वीकार किया। जयप्रकाश के नेतृत्व में आंदोलन पूरे देश में फैल गया और जन जन का आंदोलन बन गय। जयप्रकाश जी को यहीं से लोकनायक कहा जाने लगा था। सन 1975 में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में सारे देश में आपातकाल लगा दिया गया। फलस्वरूप जननायक जयप्रकाश जी को कारागार में डाल दिया गया। उन्होंने संविधान में संशोधित प्रावधानों की मांग रखी कि भारत की जनता (मतदाता) को यह अधिकार मिलना चाहिये कि यदि उनके द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि (सांसद या विधायक) उनका विश्वास खो बैठे तो उन्हें हटा दिया जाए। पर उनकी मांग पर सभी स्वार्थी नेताओं को अपनी कुर्सी का खतरा दिखाई देने लगा। और उनकी मांग को अनसुना कर दिया गया। सन 1977 में कांग्रेस की मुख्य विरोधी पार्टी जनता पार्टी ने जयप्रकाश नारायण को जनता के सामने कर अपना चुनाव लड़ा, जिसमें उसे विजय हासिल हुई पर उसके बाद पार्टी के सत्ता में आल्लीने पर जो बंदरबांट शुरू हो गई वह सभी को पता है। जनता पार्टी और उसकी सरकार का ये हाल देखकर जयप्रकाश जी को गहरा सदमा पहुंचा, जिसकी वजह से उनका देहावसान हो गया।

बेटीयां बोझ नहीं, आर्शीवाद हैं : डॉ. रवींद्र मिश्रा

◆राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के सचिव ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर बेटियों के महत्व पर दिया प्रेरक संदेश

मुंबई(उत्तरशक्ति)। नवरात्रि के पावन पर्व पर, जहाँ संपूर्ण भारत माता के विभिन्न रूपों की आराधना करता है, डॉ. रवींद्र मिश्रा, मुख्य महासचिव, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग, ने बेटी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹बिटिया बोझ नहीं, आशीर्वाद है। अगर किसी को बेटी का पालन-पोषण करना कठिन लगे, तो उसे हमारे पास भेज दें। हम इसे खुशी से अपनाएंगे और उसकी जिम्मेदारी उठाएंगे।₹ उनका यह वक्तव्य एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सामने आया, जो बेटियों के सशक्तिकरण और महिलाओं की स्थिति पर केंद्रित था। नवरात्रि के इस महत्वपूर्ण अवसर पर डॉ. मिश्रा ने समाज में बेटियों के प्रति बदलती सोच पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज भी कई स्थानों पर बेटियों को बोझ समझा जाता है, जबकि वास्तव में वे सृजन की शक्ति और परिवार की धरोहर होती हैं। ₹बेटी के जन्म को लेकर हमारे समाज में अभी भी असमानता और भेदभाव है। यह केवल समाज की मानसिकता में बदलाव लाकर ही समाप्त किया जा सकता है,₹ डॉ. मिश्रा ने कहा। यह विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया गया, जिसमें अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। नवरात्रि का यह पर्व स्त्री शक्ति की आराधना का प्रतीक है, और इस अवसर पर डॉ. मिश्रा ने न केवल बेटियों के महत्व को बल दिया बल्कि समाज में बेटियों के अधिकारों और उनके सम्मान की अनिवार्यता पर भी जोर दिया। विभिन्न संस्कृतिक प्रस्तुतियों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान पर आधारित नाटकों, कविताओं, और गीतों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। डॉ. मिश्रा ने कहा, ₹हमारा समाज बदल रहा है, परंतु हमें अभी भी बहुत काम करना है। हमें बेटियों को बोझ नहीं, बल्कि समाज की ताकत मानना चाहिए। यह आवश्यक है कि हम उनकी शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रहें। बेटी को शिक्षा देना, उसे अवसर प्रदान करना, और उसका सशक्तिकरण सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।₹उन्होंने आगे यह भी कहा कि नवरात्रि का समय देवी की पूजा के साथ-साथ अपने भीतर की शक्ति को पहचानने का भी समय है। ₹जब हम नवरात्रि पर देवी की पूजा करते हैं, तो हमें यह भी समझना चाहिए कि हर बेटी उस देवी का ही रूप है। हमें उसके साथ आदर और स्नेह से पेश आना चाहिए।₹ डॉ. मिश्रा ने समाज में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि हम बेटियों को सही शिक्षा और अवसर दें, तो वे न केवल अपने परिवारों का बल्कि पूरे समाज का उत्थान करेंगी। ₹बेटी अगर पढ़ी-लिखी होगी, तो वह समाज को भी शिक्षित करेगी। बेटियों को आगे बढ़ाने का अर्थ है एक बेहतर और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना,₹ उन्होंने कहा। उन्होंने सरकार द्वारा बेटियों के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि समाज के हर व्यक्ति को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए और अपनी बेटियों के जीवन में सुधार लाने के लिए आगे आना चाहिए। ₹यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी बेटियों के लिए एक सुरक्षित और समान अवसरों से भरा हुआ भविष्य बनाएं।₹ डॉ. मिश्रा ने कहा कि जब तक समाज में बेटियों के प्रति भेदभाव जारी रहेगा, तब तक देश का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होकर इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। बेटी को अगर कहीं बोझ समझा जा रहा है, तो वह परिवार, समाज और देश के लिए शर्मनाक स्थिति है। हमें बेटियों के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. मिश्रा ने बेटी के महत्व और समाज में उसकी भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यदि किसी परिवार को लगता है कि वह बेटी का पालन-पोषण नहीं कर सकता, तो उसे अपनी बेटी को बोझ नहीं समझना चाहिए।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व भिवंडी पूर्व विधानसभा चुनाव प्रमुख संतोष शेट्टी को सादगी दी गयी शुभकामनाएँ

आचार्य सूरजपाल यादव/ भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा भिवंडी के पूर्व जिलाध्यक्ष व भिवंडी भिवंडी पूर्व विधानसभा चुनाव प्रमुख संतोष शेट्टी के जन्मदिन पर भिवंडी के कई पार्टियों के नेताओं भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ उनके शुभचिंतकों ने सादगी से जन्मदिन की शुभकामनाएँ दिये । ज्ञात हो कि आज देश के प्रसिद्ध उद्योगपति रतन संस बिजनेस के अंपायर रतन टाटा के निधन से जहाँ देश में शोक की लहर दौड़ गयी इसी तरह भिवंडी के भाजपा नेता संतोष शेट्टी ने शोक व्यक्त करते हुये कहाकि देश ने आज एक अनमोल रतन खो दिया जो कि अपूर्णनीय है । बतादें कि संतोष शेट्टी भिवंडी की राजनीति में सामाजिक कार्यों से अपनी एक अलग पहचान पहचान बनाई है भिवंडी में हजारों की संख्या में आयुष्मान कार्ड व लाडली बहना योजना के तहत हजारों महिलाओं का फार्म भरवा कर इस योजना का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । इनके सेवा भावी कार्यों से प्रभावित लोगों को जन्मदिन नहीं मनाने की सूचना देने के बावजूद भी उनके चाहने वाले हजारों लोगों ने पद्मानगर स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय पर जाकर सादगी से उन्हें शुभकामनाएँ देने वालों में महिलाओं व पुरुषों की भारी भीड़ देखने को मिली ।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई प्रदेश व मुलुंड विधानसभा/भांडुप विधानसभा द्वारा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व रक्षामंत्री स्व.मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई । बतादें कि नेता जी के नाम से मशहूर स्व. मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि मुलुंड नागरिक सभागृह हाल में मुलुंड विधानसभा अध्यक्ष जीवन लाल यादव की अगुवाई में आयोजित की गई ।

इस अवसर पर भांडुप विधानसभा अध्यक्ष अनिल यादव , ईशान मुंबई जिला अध्यक्ष निशार खान , ईशान मुंबई महासचिव शशिकांत यादव , सचिव संतोष यादव , मुलुंड विधानसभा प्रभारी रविंद्र नाथ यादव समाजसेवी दीनानाथ यादव मुंबई कांग्रेस पूर्व नगर सेवक सुनील गंगवानी , सुनील यादव , कीर्ति यादव , पंडित अवधेश शुक्ला शिवसेना संघटक महाराष्ट्र (उद्धव ठाकरे) , देवतादीन यादव , अखिलेश यादव , सभाजीत यादव , विजय यादव , अमरनाथ यादव , सुशील यादव , अमृतलाल यादव आदि भारी संख्या में उपस्थित होकर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दिये ।

पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन से संपूर्ण देश के उद्योग जगत की अपूर्णीय क्षति - केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उद्योग जगत में भारत का कोहिनूर टाटा समूह के प्रमुख पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन से पूरे देश के औद्योगिक सामाजिक क्षेत्र की बड़ी क्षति हुई है। रतन टाटा एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक सोच थे जिसने देशवासियों को उद्योग के क्षेत्र में प्रेरित किया। दुनिया को जीतने वाले रतन टाटा एक सरल इंसान और उच्च विचारों वाले सम्मानित व्यक्तित्व थे। वह एक परोपकारी व्यक्ति थे। ऐसे शब्दों में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दिवंगत रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

पद्म विभूषण रतन टाटा की उपलब्धियां उद्योग जगत में हिमालय जितनी ऊंची हैं। दुनिया में रतन टाटा ने उद्योग के क्षेत्र में अपने देश का नाम रोशन किया है। वह उद्योग के क्षेत्र में बहुत सफल रहे हैं। उन्होंने अपनी आय का 65 प्रतिशत हिस्सा लगातार देश के गरीब लोगों के कल्याण के लिए दान किया। जीवन भर परोपकार की भावना कायम रखने वाले रतन टाटा वास्तव में गरीबों के मसीहा थे। मुंबई के परेल में टाटा अस्पताल कैंसर रोगियों के लिए एक वरदान बन गया है जो देश भर के गरीब रोगियों को जीवन प्रदान करता है उद्योग क्षेत्र के साथ-साथ देश और समाज के लिए रतन टाटा का योगदान अतुलनीय है।

दुर्गाष्टमी को गुलाबी परिधान में नजर आई महिलाएं

भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवरात्रि के आठवें दिन दुर्गाष्टमी के अवसर पर महिलाओं ने गुलाबी रंग के परिधान में महिलाओं ने माता रानी की पूजा अर्चना की। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के नवघर रोड, भायंदर पूर्व स्थित मुख्यालय पर कार्यरत महिलाओं ने गुलाबी रंग के परिधान में माता रानी की पूजा अर्चना कर सब के सुख समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की।

इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं में श्रीदेवी, आरती पांडे, ज्योत्सना एन, कल्पना स्नेहल, शिवानी, प्रियंका,हरिनिशा, आरती सी एकता, सुप्रिया, पूनम, रेशमा, ईशा, राखी आदि का समावेश रहा। चेयरमैन लल्लन तिवारी ने सभी महिलाओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद दिया।

भाजपा युवा मोर्चा की बैठक, आयलानी ने युवाओं में भरा जोश

उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राकेश पाठक के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय पर गुरुवार को एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में विधानसभा क्षेत्र 141 के तमाम युवा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में शहर के विधायक कुमार आयलानी भी पहुंचे और उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में किस रणनीति के साथ युवाओं को काम करना है इस पर मार्गदर्शन किया। बूथ, मंडल स्तर पर किस तरह से लोगों को जोड़ना है इस पर मार्गदर्शन करते हुए युवाओं की सभी तरह से सहायता करने का आश्वासन देते हुए उनमें जोश भरा। इस दौरान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील राणा भी मौजूद रहे।

जिला परिषद द्वारा सातपाटी में आवारा कुत्तों की नसबंदी व रेबीज टीकाकरण का किया गया शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में कुत्तों के काटने और जानलेवा हमलों की बढ़ती घटनाओं के साथ-साथ आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान जिले की कई ग्राम पंचायतों में इनके नियंत्रण व निपटान की लगातार मांग को लेकर कृषि व पशुसंवर्धन सभापति संदीप पावड़े के विशेष प्रयासों से पिछले वर्ष जिला परिषद के माध्यम से आवारा कुत्तों की नसबंदी व रेबीज टीकाकरण का अभियान चलाया गया था। इस तरह का अभियान चलाने वाला पालघर जिला महाराष्ट्र का पहला जिला है और पिछले साल इस अभियान को मिले प्रतिसाद के कारण इस साल भी इस अभियान को लागू किया गया है। जिसका शुभारंभ गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 को सातपाटी ग्राम पंचायत से किया गया। आवारा कुत्तों की नसबंदी व रेबीज टीकाकरण का उद्घाटन कार्यक्रम कृषि व पशुसंवर्धन सभापति संदीप पावड़े, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, जिला पशुसंवर्धन आयुक्त भुवनेश्वर बोरकर, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, पशुसंवर्धन समिति सदस्य ज्योति पाटील, करिश्मा उमतोल, सीमा रावते, कली वलवी, सरपंच सीमा भोईर, पंचायत समिति सदस्या हर्षदा तरे की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। बतादें कि पिछले वर्ष जिला परिषद द्वारा इस कार्य के लिए 25 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन ग्राम पंचायतों की मांग के अनुसार और अभियान के लाभ को देखते हुए इस वर्ष इस अभियान के लिए 80 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। यह उपक्रम इस वर्ष सातपाटी, शिरगांव, माहिम, केलवे, अनार्ला ग्राम पंचायतों में लागू की जायेगी। इस मौके पर कृषि व पशुसंवर्धन सभापति संदीप पावड़े ने बोलते हुए कहा कि सातपाटी ग्राम पंचायत ने इस अभियान को लागू करने के लिए नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई की है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अभियान को सफल बनाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण होगा और यदि पर्याप्त धन उपलब्ध है, तो इस अभियान को जिले भर में भी सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है। इस दौरान अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्र शिंदे ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि पशुसंवर्धन के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा यह अभियान सराहनीय है और यदि संबंधित ग्राम पंचायत का सहयोग मिले तो इसे जिला परिषद के माध्यम से और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। इस अवसर पर ग्राम सेवक विपीन पिंपले, तहसील पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. राहुल संखे, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम सातपाटी ग्राम पंचायत के माध्यम से आयोजित किया गया।

कल्याण में मशहूर बिल्डर को लगी गोली- मंगेश गायकर और उनका बेटा घायल

चेतन निर्मल संवाददाता कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण से मशहूर बिल्डर मंगेश गायकर और उनके बेटे को गोली लगने से घायल होने की घटना सामने आई है. यह घटना मंगेश गायकर के चिकन घर स्थित ऑफिस में हुई. प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मंगेश गायकर को अपनी सुरक्षा के लिए दी गई बंदूक साफ करते समय गलती से गोली चल गई, जिससे मंगेश गायकर और उनका बेटा घायल हो गए.

दोनों को तुरंत इलाज के लिए कल्याण के मीरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस फिलहाल घटना की जांच कर रही है और अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गोली गलती से चली थी या किसी और ने.

वास्तव में क्या हुआ? मंगेश गायकर के ऑफिस में उनके बिजनेस पार्टनर और अन्य सहकर्मी साथ बैठे थे. मंगेश गायकर को गोली तब लगी जब वह बंदूक साफ कर रहे थे. गोली उनकी बांह को पार करते हुए उनके बेटे को भी लगी. इस घटना के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और दोनों को मीरा अस्पताल में भर्ती कराया गया.

जांच का हिस्साः पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गहन जांच शुरू कर दी है. मंगेश गायकर को गोली कैसे लगी, इस पर फिलहाल शोध चल रहा है और बताया जा रहा है कि मिसफायर होने की आशंका है. साथ ही पुलिस ने अस्पताल में पूछताछ की है और अधिकारियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है.

श्री दुर्गा मंदिर मान में श्रीमद् देवी भागवत कथा का भव्य आयोजन

शुंभ, निशुंभ वध और मां दुर्गा की निकाली गई अलौकिक झांकी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्रीमद् देवी भागवत कथा में निहित आध्यात्मिक रत्नों को जन-जन के समक्ष उजागर करने हेतु श्री दुर्गा मंदिर मान के पीठाधीश्वर संत श्री गुरुजी महाराज के सानिध्य में दिनांक 03 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक पालघर जिले के बोईसर शहर पूर्व महागांव लिंक रोड ,नवापाड़ा ,मान में सात दिवसीय भव्य श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया गया है। श्रीमद् देवी भागवत कथा में असंख्य श्रद्धालुओं की उपस्थिति देखी जा रही है। वहीं सेवादारों व भक्तों द्वारा 12 अक्टूबर 2024 को भव्य नवचण्डी महायज्ञ व महाप्रसाद का आयोजन किया गया। श्रीमद् देवी भागवत कथा के सातवें दिन शुंभ, निशुंभ वध का मां दुर्गा के अलौकिक झांकी के माध्यम से लोगों को कथा से मिलने वाले आध्यात्मिक लाभ व एक उन्नत शांत समाज के लिए ब्रह्मज्ञान के सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात करने के प्रति जाग्रत किया गया। कथा व्यास संत श्री गुरु जी ने श्रीमद् देवी भागवत में निहित आध्यात्मिक आदर्शों को सुंदर प्रवचनों के माध्यम से प्रस्तुत किया। मंच पर उपस्थित श्री गुरुजी के अन्य सहयोगियों ने भावपूर्ण भजनों की श्रृंखला को प्रस्तुत किया। देवी माँ के भिन्न-भिन्न स्वरूप हमें गूढ़ संदेश देते हैं। मंदिर के पीठाधीश्वर संत श्री गुरु जी ने बताया कि भक्ति की चरम सीमा तक पहुँचने के लिए ब्रह्मज्ञान प्राप्त करना अत्यावश्यक है, जो हमारा देवी मां (अर्थात परम चेतना) के साथ चिर-स्थायी संबंध सुनिश्चित करता है। गुरु जी ने बताया कि ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान साधना हमारे अंतःकरण से दुर्भावनाओं, अहंकार, दुःख, क्रोध व भ्रांतियों को नष्ट कर हमारे लिए एक सच्चा इन्सान बनने का मार्ग सुनिश्चित करती है। देवी मां की भांति, पूर्ण सतगुरु भी आध्यात्मिक माँ के रूप में शिष्य का हर प्रकार से आध्यात्मिक विकास सुनिश्चित करते हैं।

वे जन्म-मरण के अनंत चक्रव्यूह का अंत कर मनुष्य को मुक्ति की राह पर अग्रसर कर देते हैं। श्रीमद् देवी भागवत कथा में बाल कलाकार रिया द्वारा मां सरस्वती की झांकी ,नंदिनी के द्वारा माता लक्ष्मी की झांकी,दिव्या के द्वारा माता काली ,और अर्णी श्रीवास्तव के द्वारा माता दुर्गा की मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण की केंद्र बनी रही।

शिवतेज मित्र मंडल द्वारा भव्य नवरात्रोत्सव का किया जा रहा है आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिवतेज मित्र मंडल की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर में भव्य नवरात्रोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।इस नवरात्रोत्सव के आयोजन में नित्य सुबह और शाम भगवान भोलेनाथ, विष्णु जी, मां अम्बे जी व हनुमान जी की सामुहिक महाआरती की जाती है। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तों से भरा रहता है। इस महाआरती में शामिल सभी लोगों में शिवतेज मित्र मंडल की ओर से प्रसाद वितरित किया जाता है। शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष, काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन अध्यक्ष, बोईसर रेलवे स्टेशन प्रमुख सलाहकार, भाजपा नेता तुलसीराम केवट ने हमारे संवाददाता अजीत सिंह के साथ बातचीत में बताया कि यह नवरात्रोत्सव शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को मां अम्बे जी व शीतला माता जी के पूजन अर्चन के पश्चात सामूहिक हवन व महाआरती के बाद महाप्रसाद रूपी विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। नवरात्रोत्सव के मुख्य आयोजक केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन अध्यक्ष भाजपा नेता तुलसीराम केवट व

शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष तुलसीराम केवट द्वारा सफल आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में पंडित सत्यनारायण पाठक, राजीव रंजन सिंह, केशव यादव, संजय मास्टर, संजय वावरे, आनंद परंडवाल, सुनील लांडे, शिवाजी कदम, मूरत सिंह, आनंद महतो, बृजलाल, सूर्य नारायण चौधरी, राजू यादव, तरुण यादव, संतोष साहनी, राजू पाठक, लालाजी यादव, सर्वेश सिंह, धर्मेंद्र शाह, पप्पू सिंह, बाबू सिंह, राम सिंह, सोनू जहांगीर, राजू सिंह किराना, मंटू ओझा, राय साहब सिंह, जीतू सिंह, सुनील यादव, गौरी विश्वकर्मा, बजरंग राय, विनय पाण्डेय द्वारा विशेष सहयोग दिया जा रहा है।

भाजपा नेता अखिलेश सिंह के जन्मदिन पर दिखा शक्ति प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अखिलेश सिंह के जन्मदिन पर आज समाज के प्रतिष्ठित लोगों तथा अंधेरी विधानसभा की बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिल्टन टावर ,अंधेरी स्थित उनके कार्यालय पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामबक्स सिंह, जयप्रकाश (बब्बन) सिंह,भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, देवेश ठाकुर, भाजपा नेता अजय सिंह, भाजपा युवा नेता नितेश राजहंस सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार आदित्य दुबे, पत्रकार राजकुमार सिंह ,पत्रकार विजय सिंह कौशिक, पत्रकार जितेंद्र मिश्रा, अनिल गलगली, लोकगीत गायक सुरेश शुक्ला, दीपक सिंह, दिग्विजय सिंह, अजीत सिंह, रवि सिंह, सुरेंद्र सिंह, शिवसेना के पूर्व नगरसेवक बाला नर, कैलाश पाठक, रमेश मिश्रा, शैलेश परब, सुरेंद्र दुबे, प्रेस फोटोग्राफर राजहंस सिंह आदि का समावेश रहा। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। सर्वप्रथम श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी तथा भाजपा नेता मूरजी पटेल की उपस्थिति में केक काटा गया। अखिलेश सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। सुबह से जिस तरह लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी तो देखते हुए उनके जन्मदिन के कार्यक्रम को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

क्विक हील ने भारत का पहला फ्रॉड प्रिवेंशन सॉल्यूशन AntiFraud.AI लॉन्च किया

मुंबई। साइबर सिक्योरिटी की प्रमुख कंपनी क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आज भारत का पहला फ्रॉड प्रिवेंशन सॉल्यूशन एंटीफ्रॉड.एआई लॉन्च किया। यह 'मेड इन इंडिया' सॉल्यूशन एक नई श्रेणी लेकर आया है जोकि वित्तीय धोखाधड़ी के खतरे से उपभोक्ताओं को सुरक्षित रखने के लिए डिजिटल सुरक्षा में बड़ा बदलाव लेकर आएगी। आजकल सबसे ज्यादा टेक सेवी लोगों सहित सभी लोग वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं।

एंटीफ्रॉड.एआई को लॉन्च करने का उद्देश्य लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाना है, खासकर ऐसे समय में जब धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इंडियन साइबरक्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर के मुताबिक, भारतीयों को साइबर अपराधों के कारण जनवरी से अप्रैल 2024 के बीच 1750 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही 740,000 से अधिक शिकायतें राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज की गई हैं। ये चिंताजनक आंकड़े फजीवाड़ा रोकने के व्यापक समाधानों की तत्काल जरूरत पर जोर देते हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट व्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। **RNI NO. MAHHIN/2018/76092** ***संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति,** इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com,**

जौनपुर में मात्र 180 रूपए के चाउमीन खाने पर हुआ मर्डर

- शव का अंतिम संस्कार होना था तभी मच गया बवाल
- सीओ, एसपी ग्रामीण समेत आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल
- एसपी जौनपुर ने संभाली कमान, छोड़े गए आंसू गैस के गोले, कई हिरासत में

रियाजुलहक खान नगर संवाददाता

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के जमुनीपुर (मंगरमु) गांव में बीडीसी के पुत्र विवेक यादव का शव बुधवार की रात में घर पहुंचे ही गांव में कोहराम मच गया। इसी बीच स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जब पता चला कि आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा तो इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। मौके पर सीओ मड़ियाहूं, सीओ मछलीशहर समेत भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गई थी। रातभर पंचायत चली लेकिन नतीजा सिफर रहा। गुरुवार को भी शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए पुलिस मान-मनौव्वल करती रही, लेकिन परिजन व गांव वाले नही माने। इसी बीच पूरे गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया और इलाके को सील कर दिया। गांव वालों के अलावा किसी को भी अंदर गांव में जाने की इजाजत नहीं दी जा रही थी। पुलिस और गांववालों की बात चल ही रही थी कि भीड़ से किसी ने एक पत्थर फेंक दिया। इसके बाद पूरा मामला ही बिगड़ गया। इसकी सूचना एसपी जौनपुर, एसपी ग्रामीण को देते हुए आस-पास के थानों से और फोर्स बुला ली गई और 500 मीटर दूर ही मीडियाकर्मियों को भी रोक दिया गया। कुछ देर बाद सड़क बनाने के लिए पड़े बड़े-बड़े पत्थर को ग्रामीणों ने पुलिसवालों पर फेंकना शुरू कर दिया और हालात बिगड़ गए। पत्थर इस तरह से फेंके जा रहे थे जैसे आसमान से ओले पड़ रहे हो। इस बीच कई पत्थर पुलिसकर्मियों को लगे जिसमें एसपी ग्रामीण शैलेंद्र के पीठ पर, सीओ मड़ियाहूं के हाथ पर और आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों को पत्थर लगे, जिससे वह घायल हो गए। एसपी ग्रामीण की गाड़ी का शीशा भी पत्थर लगने से टूट गया। मीरगंज थाने की गाड़ी का भी शीशा तोड़ दिया गया है। एडीओ पंचायत मुन्नी लाल द्वारा दर्जनों कर्मियों को लेकर सड़क पर बिखरे पत्थरों को एकत्रित किया गया। इस बीच सूचना मिलने पर डीएम डॉ. दिनेश चंद्र भी मौके पर पहुंच गए। इसी बीच जिन दुकानों में पुलिस जान बचाकर भागी थी उन्हें भी उपद्रवियों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। दो प्लाटून पीएसी भी बुलाई गई।

सूचना पर एसपी जौनपुर डॉ. अजय पाल शर्मा भी मौके पर पहुंच गए। भीड़ को शांत करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। 5 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। इस दौरान पूरा बाजार बंद है। लोग अपने-अपने घरों में बंद है। पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। लोग डरे हुए हैं। इधर पुलिस सर्च ऑपरेशन चलाकर संदिग्धों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है।

रियाजुल द्वारा बताया गया कि बीडीसी पुत्र विवेक यादव 27 वर्ष पुत्र शंकर यादव को चार दिन पूर्व हुए आपसी विवाद के चलते बदमाशों ने अपहरण कर मौत के घाट उतार दिया था। बीते रविवार की जमुनीपुर गांव के गेट के पास मनबढ़ों ने मारपीट कर उसे अपने साथ उठा ले गए थे। दो दिन बाद विवेक की लाश सुरियांवा थाना क्षेत्र के बीरमपुर ठकुराइन तारा के पास झाड़ियों में पाया गया था।बताते हैं कि गहिली कठरवा गांव के राजू यादव (बल्ली) की फास्ट फूड दुकान निगोह बाजार में स्थित है। 3 माह पहले मामूली बात को लेकर कुछ विवाद हुआ था जो की रविवार देर शाम लगभग विवेक और उसका दोस्त जमुनीपुर गेट के बगल खड़े होकर सिगरेट लेने के लिए रुके उस समय उस गुमटी में सिगरेट न होने के कारण मोहन बगल की दुकान से लाने चला गया तभी बल्ली वहां विवेक के पास आ गया और अपने उधार का पैसा मांगने लगा तो विवेक ने कहा कि मैंने खाने के लिए आर्डर नहीं दिया था जिस बात को लेकर दोनों में गाली-गलौज शुरू हो गया तभी राजू उर्फ बल्ली ने अपने गांव के लड़कों को फोन कर मौके पर बुला लिया और विवेक को मारने पीटने लगे और उसे अपनी मोटरसाइकल पर बैठा लिया। मोहन ने विवेक को बचाने के लिए गाड़ी की चाभी निकाली तो उसे भी बदमाशों ने मारा पीटा। मोहन जान बचाकर बगल के हरिजन बस्ती में भाग निकला। हो-हल्ला होते ही वहां की महिलाएं निकली तब तक वो लोग विवेक को लेकर जा चुके थे। घटना के तीसरे दिन विवेक का शव सुरियांवा थाना क्षेत्र के बीरमपुर में पाया गया। बुधवार की रात को जब विवेक का शव गांव में पहुंचा तो कोहराम मच गया। मृतक विवेक 3 भाइयों में दूसरे नंबर पर था। मां निर्मला देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य भी है। विवेक का विवाह 3 वर्ष पूर्व हुआ था। उसी का शव आज गांव में पहुंचा तो यह बवाल हो गया।

दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर डीएम व एसपी ने किया फ्लैग मार्च

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को देर सायं जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र तथा पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च जेसीज चौराहा से निकलकर ओलंदगंज होते हुए पुराना पुल,ताड़तला और शहर के विभिन्न मार्गों पर जहां भी माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है।फ्लैग मार्च उन मार्गों से गुजरा। ताड़तला में स्थापित पंडाल में जाकर अधिकारियों के द्वारा मां दुर्गा जी का आशीर्वाद लिया गया और वहां पर उपस्थित बच्चों को टॉफीया भी वितरित की गई।

इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं से वातालीप कर हाल चाल लिया गया और पूछा गया कि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या तो नहीं है। इसके उपरांत अधिकारियों के द्वारा कोतवाली चौराहे पर बनाए गए कंट्रोल रूम में जाकर महासमिति के पदाधिकारियों से वातालीप कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने कहा कि फ्लैग मार्च निकाल कर असामाजिक तत्वों को आगाह किया गया कि वह घर से बाहर निकल कर कानून व्यवस्था के लिए समस्या उत्पन्न न करें, क्योंकि प्रशासन की नजर उन पर है। प्रशासन ने असामाजिक तत्वों से सख्ती के साथ निपटने की तैयारी की है। फ्लैग मार्च में नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह ,सीओ सिटी देवेश सिंह सहित विभिन्न थाना के थानाध्यक्ष व पुलिस के जवान शामिल थे।

नव युवक दुर्गा पूजा पण्डाल कनवरिया बना आकर्षण के केन्द्र

निशानाथ

खेतासराय(जौनपुर)। शारदीय नवरात्रि में दुर्गा पूजा पण्डाल सिर्फ नगरों और शहरों में ही नहीं बल्कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में सजाकर पूजा-अर्चना की जा रही है।इसी क्रम में खेतासराय क्षेत्र के कनवरिया गाँव में डॉ. चंद्रकला के नेतृत्व में नव दुर्गा समिति के तत्वधान में नव युवक दुर्गा पूजा पंडाल लगाया गया है। जहाँ पर सुबह-शाम पूजा आरती की जा रही है। डॉ. चंद्रकला ने बताया की शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन विधि-विधान से माँ दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना की जाती है। जहाँ सुबह-शाम पूजा आरती की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरती का समय होते ही ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे बड़ी संख्या में एकत्रित हो जाते हैं।

राजकीय महिला आईटीआई का डीएम ने किया निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय महिला आईटीआई सिद्दीकपुर जौनपुर का निरीक्षण जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा आधिशासी अभियंता यूपीआरएनएसएस, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहित अन्य की उपस्थिति में किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निमार्णाधीन भवन के साफ सफाई के लिए एवं शौचालय में बने सिरस्टन को सही करने हेतु निर्देश दिये गये साथ ही साइट डेवलपमेंट के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

वक्फ संपत्तियों की पहचान और सर्वे का काम शुरू

- वाराणसी शहर के 100 वार्ड और जिले के 694 गांवों में लगाए गए लेखपाल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में वक्फ संपत्तियों की पहचान और सर्वे का काम प्रशासन ने शुरू कर दिया है।इस प्रक्रिया में तीनों तहसीलों के एसडीएम और लेखपालों की टीम शामिल है।जो जिले के 100 वार्डों और 694 गांवों में सर्वे कर रही है। यह सर्वे 31 अक्टूबर तक पूरा कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। इस सर्वे का उद्देश्य वक्फ के रूप में दर्ज बंजर, भीटा, और ऊसर भूमि की पुनः जांच करना है ताकि उन्हें सही राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जा सके। वर्तमान में वाराणसी में वक्फ बोर्ड की 1469 संपत्तियां दर्ज हैं। लेकिन वास्तविक संख्या 3000 से अधिक बताई जा रही है।जिसमें सुन्नी और शिया समुदाय से जुड़ी संपत्तियां शामिल हैं। वक्फ संपत्ति दो प्रकार की होती है— एक जिसमें जमीन को धार्मिक या सामाजिक कार्य के लिए बैनामा किया जाता है (वक्फ बाई डीड), और दूसरी जिसमें जमीन का धार्मिक उपयोग मालिक स्वयं करता है।

नेताजी ने समाज को नई दिशा देने का काम किया: राकेश मौर्य

- मुलायम सिंह यादव की मनाई गई द्वितीय पुण्यतिथि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ज़िला समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में नगर के होटल मंगलम में समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षामंत्री, पदम विभूषण धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने स्व. मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर विचार व्यक्त किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि नेताजी ने समाज को नई दिशा देने का काम किया। नेताजी ने समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने के लिए जो रास्ता दिखाया है। उसी रास्ते पर हम समाजवादी लोग चल रहे हैं। आज के दिन हम लोग संकल्प लेते हैं कि समाजवादी मूल्यों और समाजवादी सिद्धांतों को और बढ़ाकर लोगों के जीवन से बदलाव लाएंगे। नेताजी ने पूरा जीवन इसी में निकाल दिया कि उनके साथ-साथ उनके लोगों का जीवन बदले। इसी विचारधारा पर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। नेताजी समाजवाद के मुखिया थे। उन्होंने इसे पूरे देश में फैलाया। नेताजी ने गरीबों, वंचितों, युवाओं के लिए जो किया है उसे भुलाया नहीं जा सकता। हम आज नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हैं। उक्त अवसर पर विचार व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से विधायक लकी यादव, विधायक पंकज पटेल पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, पूर्व अध्यक्ष ज़िला पंचायत राजबहादुर यादव, संजय सरोज, शिवसरण कुशवाहा, डा. मनोज यादव, हिसामुद्दीन शाह, नन्हकू यादव, सुशील दुबे, महेंद्र यादव, रामपति यादव, कलीम अहमद, श्यामबहादुर पाल, सुरेश यादव, डा. सरफराज, राजेंद्र यादव, राजेंद्र यादव टाइगर,राहुल त्रिपाठी, दिनेश यादव फौजी, राजदेव पाल, डा. जितेंद्र यादव, दीनानाथ सिंह, संजीव साहू, ऋषि यादव, आलोक सिंह यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, डा. शिवजीत यादव, अनवारूल हक, मनोज मौर्य, डा. शबनम नाज, दीपक विश्वकर्मा, इकबाल अहमद, वीरेंद्र यादव, नंदलाल यादव, राम अकबाल यादव, रामजतन यादव, सोचनराम विश्वकर्मा, अनिल यादव, अशोक यादव नायक, नीतू शर्मा सहित अन्य लोग रहे। संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। पुण्यतिथि में उपस्थित जनों में मुख्य रूप से, शकील अहमद, गजराज यादव, रुखसार अहमद, गुलाब यादव रीठी, कपिल यादव, मेवा यादव, रामधारी पाल, सुशील श्रीवास्तव, दिलीप प्रजापति, गुड्डू सोनकर, अजय श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सोनकर, मुनव्वर अली सोनी यादव, सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहें।

रेलवे कर्मचारी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के होज शिवाला ग्राम निवासी सुदर्शन कुमार राजभर 35 वर्ष पुत्र वंशहरि राजभर बीती रात 8 बजे होज रेलवे क्रॉसिंग पार करके दुर्गा पूजा पंडाल में जा रहे थे की जौनपुर जंक्शन की तरफ से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गये जिनकी मौके पर ही मौत हो गई स्थानिय लोगों ने परिवार को सुचना दी। सुदर्शन का घर घटना स्थल से महज 100 मीटर की दूरी पर ही है सुदर्शन कुमार जफराबाद रेलवे स्टेशन पर तैनात 4 ग्रेड श्रेणी कर्मचारी थे जफराबाद रेलवे स्टेशन पर गैंगमैन का काम करते थे मौके पर रेलवे पुलिस पहुंच कर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।

दुगार्पूजा में उमड़ी भक्तों की भीड़ पुलिस मुस्तैद

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा संवाददाता

बदलापुर।जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नवरात्रि के पावन अवसर पर इंदिरा चौक के चारों तरफ लगे भव्य दुगार्पूजा पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की दिव्य मूर्ति के दर्शन करने के लिए प्रतिदिन भारी संख्या में भक्तगण मातारानी के दरबार में दर्शन करते हुए जयकारा लगाते हुए नजर आए। खासकर महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा भारी पुलिस टीम के साथ लगातार दुगार्पूजा पंडाल से लेकर मार्गो पर गस्त करते रहते हैं।पूर्व संध्या पर माता रानी की दिव्य आरती होने के बाद पंडाल में आए भक्तों के द्वारा शंखनाद करते हुए माता रानी का पचरा गाते हैं। पंडालों पर मां दुर्गा जी दिव्य प्रतिमा स्थापित कर भव्य सजावट की गई है।रात्रि के समय में पूरा क्षेत्र जगमगाता रहता है। इसी क्रम में ओम दुगार्पूजा पंडाल पर नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी अरविंद कुमार सिंह की मौजूदगी में सभासद मोहित सिंह, संदीप शुक्ला, राजेश गुप्ता, लक्ष्मण सिंह मोनू, अमरजीत राजा, इंद्रजीत, नोडल बालिका डॉक्टर यामिनी सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ इकाई बदलापुर के अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री व पटाखा बरामद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अवैध विस्फोटक पदार्थ/पटाखा के भण्डारण करने वालो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में थाना बक्सा व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर लखौवा बाजार के समीप ग्राम सुंगुलपुर में चोरी छिपे किराये के मकान से पांच कमरो में रखे लगभग 10 क्विटल अवैध विस्फोटक सामग्री व पटाखो की बरामदगी की गयी। मौके से संबंधित अभियुक्त कमालुद्दीन पुत्र अलीहसन नि0 सुंगुलपुर थाना बक्सा जौनपुर को दिनांक 09.10.2024 को समय करीब 18.30 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गई। नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त कमालुद्दीन पुत्र अलीहसन निवासी सुंगुलपुर थाना बक्सा जौनपुर बरामदगी का विवरण 1.अवैध पटाखा/आतिशबाजी 100 बोरी (10 क्विटल जिसकी अनुमानित कीमत 15 लाख)) पंजीकृत मुकदमा मु0अ0सं0-366/24 धारा-4/5 विस्फोटक अधि0 थाना बक्सा जौनपुर।

दिन दहाड़े घर मे घुस कर महिला का चेन ले भागे बदमाश

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी-आदमपुर कें दिवानगंज इलाके मे दिन दहाड़े महिला कें गले से सोने का चैन छिन कर भागे बदमाश. पूछ-ताछ में पता चला के गुरवार कि पूर्वांहन आदमपुर थाना क्षेत्र के दिवानगंज इलाके मे 73 वर्षीय विद्या देवी अपने मकान के भूतल के पिछे बने कमरे मे थी। इस दौरान दो युवक अंदर आये जब तक महिला कुछ समझ पाती झपट्टा मार उसका सवा भर सोने का चैन नोच कर भाग गये। महिला कें शोर मचाने पर परिवार सहित क्षेत्र कें अन्य लोगो कि भीड़ जुट गयी। उसके पुत्र राजेंद्र मौर्या नें पुलिस को सूचना दी जिसपर मौके पर ए सीपी कोतवाली ईसान सोनी सहित इस्पेक्टर आदमपुर पंहुच महिला से पूरी जानकारी लेकर आस पास लगे सीसी कैमरा के फुटेज से उनकी तलाश शुरू कर दी। लेकिन इस घटना से आस - पास रह रहे लोगों के मन में भय का माहौल बना हुआ है की अब चेन स्नैचरों का ऐसा दुस्साहस के महिला अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है। आखिर भय के माहौल में जी रहे लोगों को चिंता है के अब अपनें जान-माल की सुरक्षा करें तो कैसे करें।

दिनदहाड़े घर में घुसंकर महिला की चेन ले भागे बदमाश

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी-आदमपुर कें दिवानगंज इलाके मे दिन दहाड़े महिला कें गले से सोने का चैन छिन कर भागे बदमाश. पूछ-ताछ में पता चला के गुरवार कि पूर्वांहन आदमपुर थाना क्षेत्र कें दिवानगंज इलाके मे 73 वर्षीय विद्या देवी अपने मकान कें भूतल कें पिछे बने कमरे मे थी। इस दौरान दो युवक अंदर आये जब तक महिला कुछ समझ पाती झपट्टा मार उसका सवा भर सोने का चैन नोच कर भाग गये।महिला कें शोर मचाने पर परिवार सहित क्षेत्र कें अन्य लोगो कि भीड़ जुट गयी।उसके पुत्र राजेंद्र मौर्या नें पुलिस को सूचना दी जिसपर मौके पर ए सीपी कोतवाली ईसान सोनी सहित इस्पेक्टर आदमपुर पंहुच महिला से पूरी जानकारी लेकर आस पास लगे सीसी कैमरा कें फुटेज से उनकी तलाश शुरू कर दी।लेकिन इस घटना से आस -पास रह रहे लोगों के मन में भय का माहौल बना हुआ है की अब चेन स्नैचरों का ऐसा दुस्साहस के महिला अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है।आखिर भय के माहौल में जी रहे लोगों को चिंता है के अब अपनें जान-माल की सुरक्षा करें तो कैसे करें।

बख्शा पुलिस टीम ने तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

- कब्जे से तमंचा, कारतूस व मोटर साइकिल बरामद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा पुलिस टीम ने तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से तमंचा कारतूस व मोटर साइकिल बरामद-डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शैलेन्द्र कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर परमानंद कुशवाहा के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बक्शा उदय प्रताप सिंह मय हमराह द्वारा अभियुक्त 1. दीपक यादव पुत्र रायसाहब यादव निवासी ग्राम देवरिया थाना बदलापुर जौनपुर 2. आशीष गौतम पुत्र उदयराज गौतम निवासी देवरिया थाना बदलापुर जौनपुर 3. मनीष कुमार गौतम पुत्र जोखनलाल गौतम निवासी ग्राम देवरिया थाना बदलापुर जौनपुर को थाना क्षेत्र के नौपेड़वा अण्डर पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 03 मोटर साइकिल व एक तमंचा .315 बोर व दो जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। बरामदगी का विवरण- 1.03 मोटर साइकिल 2.एक तमंचा .315 बोर व दो जिन्दा कारतूस .315 बोर पंजीकृत अभियोग- 1.मु0अ0सं0-367/24 धारा-317(2) बीएनएस व धारा-3/25 आर्म्स एक्ट थाना बक्शा जौनपुर।

लड़कियों के नाम से फर्जी आईडी बनाकर ठगी करने वाले 6 शातिर गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना मुंगरा बादशाहपुर व स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा लडकियों के फर्जी नाम व फोटो का इस्तेमाल करके सोशल साइट्स आईडी बनाकर ठगी करने वाले 05 शातिर अभियुक्त व 01 अभियुक्ता को किया गिरफ्तार, कब्जे से 11 मोबाइल फोन, वाहन व नकदी बरामद- डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना मुंगरा बादशाहपुर व स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुंगराबादशाहपुर जंघई रोड पर ब्लाक के पास से 05 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ से ज्ञात हुआ कि ये सभी रुपये कमाने के उद्देश्य से राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ आदि जगहो से फर्जी सिम प्राप्त कर लेते है और इन्ही नम्बरो से लडकियों के फर्जी नाम व फोटो का इस्तेमाल करके फेसबुक, इन्स्टाग्राम, व्हाट्सएप आईडी बनायी जाती है। फर्जी आईडी से नव युवको को अपने जाल में फँसाकर ठगी करते है। फर्जी आईडी से लोगो को फ्रेन्ड रिक्वेस्ट भेजा जाता है।फ्रैन्ड रिक्वेस्ट स्वीकार होने पर या मैसेज प्राप्त होने पर इनके द्वारा मैसेज/काल के माध्यम से लडकियों से सम्बन्ध बनाने व विडीयो काल के लिये मनपसंद लडकियों की फोटो व सम्पर्क हेतु वाट्सएप्प नम्बर भेजते है। वाट्सएप्प नम्बरो पर इनके द्वारा लोगों को उनकी लोकेशन व लडकियों की प्राइवेट अश्लील तस्वीरे व वीडियो भेजकर ब्लैकमेल कर ठगी की जाती है। उक्त सभी को अपराध का बोध कराते हुए आज दिनांक 10.10.2024 समय करीब 09.50 बजे मुंगरा बादशाहपुर ब्लाक के पास जंघई रोड ग्राम धौरहरा से गिरफ्तार किया गया।

नाम पता अभियुक्तगण- 1.रिशान्त मिश्रा पुत्र बिरेन्द्र कुमार मिश्रा निवासी ग्राम पतईया थाना सरायममरेज जनपद प्रयागराज। 2.वेद प्रकाश पाण्डेय पुत्र फूलचन्द पाण्डेय निवासी ग्राम अरका फतेहपुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी। 3.विशेष जायसवाल पुत्र रजनीश जायसवाल निवासी ग्राम देवरी थाना हलिया जनपद मीरजापुर। 4.सौरभ यादव पुत्र सुरेश चन्द्र यादव नि0 बाघम्बरी गद्दी दारागंज थाना जार्ज टाउन जनपद प्रयागराज। 5.प्रिंस तिवारी पुत्र स्व0 भरतलाल तिवारी निवासी ग्राम छदान थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर। 6.लाइवा अंसारी पुत्री सन्नी अंसारी नि0 राजेन्द्र नगर नयापुरवा थाना कोतवाली नगर जनपद मीरजापुर।

वाराणसी में खड़े डंपर में पीछे से टकराई कार, विंध्याचल से लौट रहे चार श्रद्धालुओं की मौत

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।वाराणसी जिले के कछवा रोड पर मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के बिहाड़ा गांव स्थित हनुमान मंदिर के समीप गुरुवार की भोर में बड़ा हादसा हुआ। एक ढाबे के पास हाईवे पर खड़े डंपर में विंध्याचल से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार पीछे से टकरा गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। कार में कुल पांच लोग सवार थे। जिसमें 12 वर्षीय एक बच्चा घायल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह भोर में मार्निंग वॉक करने वालों ने देखा कि एक डंपर में कार फंसी है। उसमें लोग घायल फंसे हैं। वहीं घटना के बाद डंपर चालक क्षतिग्रस्त कार को छोड़कर वाहन लेकर भागने का प्रयास कर रहा था। घटनास्थल से डंपर 100 मीटर दूर जा चुका था। इसी दौरान लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे घायल को निकलवाने के साथ एंबुलेंस बुलाकर ट्रामा सेंटर के लिए भेज दिया। जिसमें चार लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।मृतकों में फूल केसरी देवी (55), दीपक कुमार पांडेय (35), दीपमाला पांडेय पत्नी दीपक पांडेय (32) व एक अन्य शामिल है। वहीं घायल शिवांश पांडेय (12) पुत्र दीपक पांडेय को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सभी वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के बताए गए हैं। उधर, डंपर को रोकने के दौरान लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस के पहुंचते ही जाम समाप्त करा दिया गया और यातायात बहाल किया गया।

25000 इनामी शातिर चेन स्नेचर चढ़ा पुलिस के हत्थे

- चोरी, डकैती समेत कई मामले में हैं दर्ज

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी कमिश्नरेट चितईपुर थाना पुलिस व एसओजी को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लूट और विभिन्न आपराधिक घटनाओं में लिप्त 25 हजार के इनामिया को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त शेरु खान (40 वर्ष) पुत्र चुन्ने खान उर्फ मुस्ताक अहमद, निवासी काजीपुरा, गोदौलिया, वाराणसी को बजरडीहा चौकी के पास से पकड़ा गया। शेरु ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने अपने साथी विनोद भारती के साथ मिलकर 27 जुलाई 2024 को सुबह विश्वनाथपुरी कॉलोनी, नासिरपुर, सुसुवाही, चितईपुर में एक महिला के गले से सोने की चेन छीनी थी। विनोद ने वह चेन बेच दी और शेरु को 4000 रुपये हिस्से में मिले थे, जिसमें से 1800 रुपये खर्च हो गए और बाकी 2200 रुपये उसने अपने ससुराल में छिपाकर रखे थे। इसके अलावा, उसने 25 जुलाई 2024 को रोहनिया क्षेत्र में एक और महिला की चेन छीनने की बात भी स्वीकार की। दोनों घटनाओं को अंजाम देने के बाद शेरु वाराणसी से सूरत भाग गया और बीच-बीच में छिपते हुए वाराणसी आता-जाता रहा। योजना के अनुसार, चोरी की मोटरसाइकिल से वे महिलाओं को निशाना बनाते थे। विनोद बाइक चलाता था और शेरु महिलाओं के गले से चेन खींचता था। गिरफ्तार अभियुक्त शेरु खान उर्फ राजू उर्फ हमीद दशाश्वमेध थाना अंतर्गत गोदौलिया काजीपुरा का रहने वाला है। पुलिस उसे बजरडीहा के पास से गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने 2200 रुपए नगदी बरामद किये हैं। लूटी गई चेन पहले से ही गिरफ्तार सह अभियुक्त विनोद भारती से बरामद की जा चुकी है। शेरु खान पर कई संगीन अपराध दर्ज हैं, जिनमें चोरी, डकैती, और पुलिस पर हमला शामिल हैं। वाराणसी कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कुल 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बिजेथुआ महोत्सव का 26 को होगा शुभारंभ

शिव कुमार प्रजापति

जगतगुरु रामभद्राचार्य और लखवीर सिंह लक्खा सहित जुटेगी पूर्वांचल की जानी-मानी हस्तियां

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुल्तानपुर के कादीपुर क्षेत्र अन्तर्गत स्थिति कालिनेम बध स्थली बिजेथुआ महावीरन धाम में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले बिजेथुआ महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन पांच दिवसीय निर्धारित किया गया है। जगतगुरु रामभद्राचार्य के प्रवचन के साथ 26अक्टुबर से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा जो हनुमान जयंती के दिन समाप्त होगा।जो 30अक्टुर को छोटी दीपावली के दिन मनाया जाता है। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा दोपहर तीन बजे से शाम छः बजे तक कथा उसके बाद क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा भजन संध्या प्रतिदिन आयोजित होगी। जिसमें सुरेश शुक्ला प्रसिद्ध देवी गीत गायक लखवीर सिंह लक्खा बृजेश कुमार सिंह राहुल पाण्डेय रमन पंकज पांडेय दीन बंधु सिंह आदि की प्रस्तुति का आनन्द लेने को मिलेगा।आयोजक के प्रतिनिधि रितेश दुबे द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाएगा। 30अक्टुर को हनुमान जयंती मनाई जाएगी जिस दिन लक्खा का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। विगत कई वर्षों से हनुमान जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता रहा है जिसमें जाने माने कलाकार अपनी प्रस्तुति देते रहे हैं इस हनुमान जन्मोत्सव पर बाबा के भक्तगण बहुत ही अधिक संख्या में अपनी हाजिरी लगाने आते हैं जिसमें आजमगढ़ प्रतापगढ़ जौनपुर सुल्तानपुर प्रयागराज अमेठी अम्बेडकरनगर सहित पूर्वांचल और अवध क्षेत्र के भक्त सम्मिलित होते हैं।

गणेश मंदिर में कलश यात्रा पर बरसाए फूल, संत श्री का किया स्वागत

चिराना(उत्तरशक्ति)। निकटवर्ती लोहार्गल मार्ग पर बने गणेश मंदिर में आज मां गोरा के 51 वें निवार्ण दिवस के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किया गया।इस मौके पर लोहार्गल से गोल्याना मंदिर तक निकाली गई कलश यात्रा के गणेश मंदिर पहुंचने पर समिति के कर्मठ कार्यकताओं द्वारा पुष्प वर्षा की गई तथा मंदिर परिसर में बने विश्राम गृह में धर्म प्रेमियों द्वारा कलश यात्रा में आए सभ्रांत जनों के लिए नींबू पानी, शर्बत और केले वितरण किए गए। जानकारी देते हुए समिति के संरक्षक डॉ.राजेंद्र कुमावत ने बताया की हर साल यह कलश यात्रा शिव गोरा मंदिर ट्रस्ट द्वारा निकाली जाती है और गोल्याणा पहुंचने पर प्रसाद व भोजन व्यवस्था भी होती रही है।आपको बता देवे इस बार प्रधान कलश यजमान श्री मति मंजु देवी धर्मपत्नी प्रमोद कुमार देवतवाल रहे। इस अवसर पर प्रगतिशील कुमावत समिति के अध्यक्ष राम निवास कुमावत,सचिव अमोलक पारमूवाल, कोषाध्यक्ष राजेंद्र घोडेला व शिव गोरा ट्रस्ट के महामंत्री रामस्वरूप जलंधरा ने राष्ट्रीय संत व प्रचारक गोपाल कृष्ण महाराज (नावां वाले) व यजमान दंपति का माल्यार्पण कर साफा पहनाकर स्वागत किया।इस दौरान शिव भगवान किरोड़ीवाल,प्रहलाद राय,मूलचंद बिवाल,सीताराम घोडेला, श्रवण कुमार देवतवाल,शेखर चंद मरेठिया,रामुतार पारमूवाल,भरत कुमावत सहित कई जने उपस्थित रहे।

उत्तम कुमार की मौजूदगी में युवकों ने किया भाजपा में प्रवेश

वसई। हरियाणा में चुनाव नतीजों और रुझानों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बीजेपी राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है. हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने एक बार फिर से शानदार जीत हासिल की है। जिसके बाद वसैत उत्तम कुमार के कार्यालय के बाहर बीजेपी समर्थकों ने जोरदार जयकारे लगाए। इस बार उत्तम कुमार की मौजूदगी में बड़ी संख्या में युवाओं ने सार्वजनिक प्रवेश किया. इस अवसर पर उत्तम कुमार ने कहा, हरियाणा 52 साल बाद लगातार तीसरी बार सरकार का गठन देख रहा है। हरियाणा में पिछले 10 साल से बीजेपी सत्ता में है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह चुनाव भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हरियाणा ने मोदी पर विश्वास किया है, जबकि पिछले कुछ समय से राज्य के सामने विभिन्न राजनीतिक चुनौतियां थीं।

उदय भान सिंह के निधन पर शोक

मुंबई। मुंबई कस्टम के पूर्व सुप्रिडेंट तथा श्री रामलीला उत्सव समिति के सहयोगी सलाहकार उदय भान सिंह 81वर्ष का गुरुवार को मुंबई स्थित भांडुप के फोर्टिस अस्पताल में निधन हो गया। वह अपने पीछे बेटा बेटी बहुएं नाती पोता भरा पुरा परीवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर श्री रामलीला उत्सव समिति के प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मंजु शुक्ला, अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल, रामबिलास पाठक, दिवाकर सिंह, दलजीत पांडेय, आदेश कुमार मिश्र, सर्वदेव पांडेय,राजेश सिंह, बृजेश शुक्ला,अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, चंदमणि सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, राजन सिंह, अवधेश तिवारी सहित समिति के अन्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

विक्रोली में माता सीता की खोज, लंका दहन, विभीषण शरणागत आदि लीला का मंचन

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में 58वें में श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में बुधवार को शबरी मिलन के प्रसंग पर भगवान राम ने शबरी के जुठे बेर खाए थे। समिति द्वारा भेद भाव, भाई चाराऔर सद्भाव का संदेश देते हुए उसी जुठे बेर को पुरे प्रांगण में दर्शकों में प्रसाद के रुप मे बांटा गया और फिल्मी कलाकारों के द्वारा महाबली हनुमान का आगमन हुआ। गुरुवार को सीता की खोज, लंका दहन, विभीषण शरणागत, सेतु वंध रामेश्वरम सहित अन्य लीला का मंचन किया जा रहा हैं। समिति प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मंजु शुक्ला, अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल, दिवाकर मिश्र, रामबिलास पाठक दलजीत पांडेय, आदेश कुमार मिश्र, सर्वदेव पांडेय, बाबुलनाथ तिवारी, संदीप शुक्ल, प्रशांत शुक्ल, राजेश सिंह, बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, चंद्रेश दुबे, आशीष तिवारी, प्रिंस जैन, अवधेश तिवारी, ब्रंहदेब दुबे, राजेश पांडेय, अशोक गुप्ता सहित समिति के अन्य लोग मौजूद थे।

आचार्य पवन त्रिपाठी को सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट से कोषाध्यक्ष नियुक्ति पर दी शुभकामनाएं

मुंबई।9 ऑक्टोबर 2024 बुधवार के दिन भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष/प्रभारी उत्तर भारतीय मोर्चा आचार्य पवन त्रिपाठी को प्रभादेवी सिद्धिविनायक गणेश मंदिर ट्रस्ट से कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्ति किए जाने पर लोगों ने मुंबई भाजपा कार्यालय वसंत स्मृती दादर(पूर्व) में उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी और शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सत्कार भी किया। इस मौके पर सुखबिंदर सिंह(लाला भाई), मो. शोएब खान, हरिकेश जैसवाल समाचार 9 ब्यूरो प्रमुख, देवदास मुरंजन समेत अन्य लोगो मौजूद रहे।

विकलांग अचीवर्स के लिये 23वें कविनकेयर एबिलिटी अवार्ड्स 2025 के लिए नामांकन खुला

मुंबई। कविनकेयर (प्रा.) लि. और एबिलिटी फाउंडेशन ने कविनकेयर एबिलिटी अवार्ड्स 2025 के 23वें एडिशन के लिये नामांकन आमंत्रित किये हैं। यह पुरस्कार विकलांग अचीवर्स के साहस और उपलब्धियों की सराहना करते हैं। देशभर से चुने जाने वाले अचीवर्स को दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दो श्रेणियों में बेमिसाल विकलांगों को सम्मानित करता है। द कविनकेयर एबिलिटी अवार्ड फॉर एमिनेंस और द कविनकेयर एबिलिटी मास्टरी अवार्ड्स। इस पुरस्कार की स्थापना 2003 में हुई थी और पिछले 22 वर्षों में इसके तहत ऐसे 95 बेहतरीन लोगों को सम्मान दिया गया है, जिन्होंने पारंपरिक बाधाओं को तोड़कर अपनी अटूट लगन से अपने सपने पूरे किये हैं। योग्य अभ्यर्थियों उम्मीदवारों के लिए नामांकन की आखिरी तारीख शुक्रवार, 8 नवंबर, 2024 है। ऑनलाइन नॉमिनेशन फॉर्म्स के लिये कृपया www.abilityfoundation.org या www.cavinkare.com पर लॉग ऑन करें।

महामना पं. मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र के निर्माण में रतन टाटा का बड़ा योगदान

हास्पिटल परिसर में डॉक्टर से लेकर कर्मचारियों तक ने उन्हें दी भावभीनी श्रद्धांजलि

-सुरेश गांधी

वाराणसी। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एम.पी.एम.एम.सी.सी. एवं एच.बी.सी.एच.) वाराणसी में पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का बड़ा योगदान है। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र के निर्माण में टाटा ट्रस्ट द्वारा सी.एस.आर. के तहत की गई मदद के लिए अस्पताल प्रशासन ही नहीं काशी सहित पूरा पूर्वांचल उन्हें सदैव याद करेगा।

टाटा रतन के निधन पर

अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्यजीत प्रधान ने कहा कि रतन टाटा जी के निधन की खबर सुनकर हम सब स्तब्ध हैं। वो न केवल एक कुशल उद्योगपति थे, बल्कि मानवता की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहने वाले जनहितैषी व्यक्ति भी थे। रतन टाटा जी का जाना वाराणसी ही नहीं पूरे भारत की क्षति है। इस मौके पर अस्पताल परिसर में रतन नवल टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान दोनों ही अस्पतालों में कर्मचारियों द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

बता दें, 1 मई 2018 को 179 बिस्तरों वाले इस अस्पताल शुभारंभ किया गया था, जबकि 352 बिस्तरों वाले महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र को 19 फरवरी, 2019 को चालू किया गया था। दोनों का औपचारिक उद्घाटन 19 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इस अस्पताल में कैंसर से पीड़ित मरीजों का इलाज किया जाता है। इस अस्पताल से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के पीड़ित मरीज इलाज पाते है। इस क्षेत्र में न केवल कैंसर के मामलों का बोझ सबसे अधिक है, बल्कि कैंसर के प्रबंधन से निपटने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की भी भारी कमी है। इन क्षेत्रों में तेजी से शहरीकरण के कारण अगले कुछ दशकों में स्थिति और खराब होने वाली है। अपने जुड़वां अस्पतालों के माध्यम से अस्पताल वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल के जिलों और आसपास के राज्यों के रोगियों के दरवाजे तक सस्ती कीमत पर व्यापक और बहुत उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर देखभाल किया जाता हैं।

ग्राम सभा बौलिया महुआरी में दर्गा पूजा की धूम

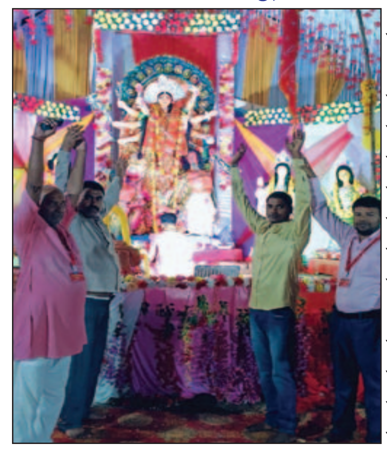

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। नवरात्रि में मां का पूजा धूमधाम से पंडाल में किया जाता है। वाराणसी के बड़ा गांव ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सभा बौलिया महुआरी में कई सालों से नवरात्रि के समय मां दर्गा की पूजा पूजा धूमधाम से गांव के सहयोग से सभी मिलकर करते हैं। पूरा दिन भक्तों का दर्शन करने के लिए ताता लगा रहता है। गांव की सभी महिलाएं सुबह शाम मां के दरबार में बैठकर के पचरा का भजन करती है। इस अवसर पर ग्राम सभा के प्रधान पति संजय कुमार जायसवाल, नंदकिशोर दुबे, पंडित राधेश्याम मिश्रा, श्रीराम मिश्र, नंदलाल मिश्रा, ऋषभदेव मिश्रा, आदित्य मिश्रा, मनोज कुमार चौरसिया, दीपक प्रजापति, कमल किशोर दुबे, किशोरी यादव, गुलाब मिश्रा, संतोष मिश्रा, मनोज पिंटू तिवारी, अभय मिश्रा, नागेंद्र मिश्रा, अप्पू चौरसिया, पिंटू जायसवाल, जटाशंकर मिश्रा, अजय, अरविंद कुमार सहित गांव के सभी परिवार सदस्य के सहयोग से मां के पंडाल में पूजा धूमधाम से हो रही है।

दुर्गा पूजा, गरबा महोत्सव को देखने के लिए उमड़ रही भीड़

मुंबई। धार्मिक संस्था 'जीवन आधार प्रतिष्ठान' की ओर से अंधेरी (पूर्व) के जेबीनगर, मेस्त्री कॉम्प्लेक्स स्थित गगनगिरी महाराज ग्राउंड पर आयोजित प्रसिद्ध दुर्गा पूजा व गरबा महोत्सव को देखने भारी भीड़ उमड़ रही है। इस संबंध में 'जीवन आधार प्रतिष्ठान' के अध्यक्ष व पूर्व नगरसेवक जगदीश अमीन 'अन्ना' ने बताया कि यह कार्यक्रम संस्था की ओर से पिछले 14 सालों से किया जा रहा है। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में गगनगिरी महाराज ग्राउंड पर स्थापित माँ दुर्गा जी का दर्शन और गरबा डांस को देखने के लिए प्रतिदिन शाम को लोगों से मैदान भर जाता जाता है। किसी अनहोनी से बचने के लिए मौके पर सुरक्षा की व्यवस्था तगड़ी की गई है। अमीन ने बताया कि जो संभ्रांत दुर्गा पूजा व गरबा डांस देखने के लिए आते हैं संस्था उनका सत्कार कर सम्मानित करती है।

भाजपा नेता अखिलेश सिंह के जन्मदिन पर दिखा शक्ति प्रदर्शन

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अखिलेश सिंह के जन्मदिन पर आज समाज के प्रतिष्ठित लोगों तथा अंधेरी विधानसभा की बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिल्टन टावर, अंधेरी स्थित उनके कार्यालय पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामबक्स सिंह, जयप्रकाश (बब्बन) सिंह,भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, देवेश ठाकुर, भाजपा नेता अजय सिंह, भाजपा युवा नेता नितेश राजहंस सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार आदित्य दुबे, पत्रकार राजकुमार सिंह ,पत्रकार विजय सिंह कौशिक, पत्रकार जितेंद्र मिश्रा, अनिल गलगली, लोकगीत गायक सुरेश शुक्ला, दीपक सिंह, दिग्विजय सिंह, अजीत सिंह, रवि सिंह, सुरेंद्र सिंह, शिवसेना के पूर्व नगरसेवक बाला नर, कैलाश पाठक, रमेश मिश्रा, शैलेश परब, सुरेंद्र दुबे, प्रेस फोटोग्राफर राजहंस सिंह आदि का समावेश रहा। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। सर्वप्रथम श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी तथा भाजपा नेता मूरजी पटेल की उपस्थिति में केक काटा गया। अखिलेश सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। सुबह से जिस तरह लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी तो देखते हुए उनके जन्मदिन के कार्यक्रम को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

समाजसेवी रतन मिश्रा द्वारा आयोजित माता चौकी पूजन का कार्यक्रम संपन्न

ठाणे (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी रतन मिश्रा ने थाने हीरानंदानी स्टेट शिवनेरी में माता चौकी पूजन का कार्यक्रम किया। पवित्र नवरात्र के पावन शुभ अवसर पर सभी सोसाइटी के गणमान्य माता रानी की सेवा करने के लिए सभी तन मन धन से उपस्थित रहे। सभी गणमान्यों ने समर्पण के भाव से माता जी के सामने अपनी-अपनी मांगे रखी। सभी सोसाइटी के गणमान्य माताजी से यही विनती करते हैं कि सभी की मनोकामना पूर्ण हो। थाणे हीरानंदानी एस्टेट में शिवनेरी माता जी की पूजा आराधना करने के बाद सोसाइटी के सभी सदस्य अपने परिवार के साथ अनेक प्रकार के खेलों के आयोजन एवं बुद्धि परीक्षण के आयोजन में भाग लिए ।इस कार्यक्रम का नियोजन समाजसेवी एवं एस व्ही फाउंडेशन के संचालक रतन मिश्रा के माध्यम से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। परिसर के चारों तरफ प्रसन्नता की लहर दौड़ पड़ी। सभी लोगों ने माताअंबे जी का जयकारा लगाया।

गुजराती समाज संस्था द्वारा महेश पार्क में गरबा कार्यक्रम जारी

-राजेश वर्मा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व तुलिंज रोड स्थित महेश पार्क में गुजराती समाज संथा द्वारा आयोजित नवदुर्गा पंडाल में गरबा खेलने वाले हजारों श्रद्धालुओं को भीड़ नजर आ रही है। गुजराती समाज संथा में हिंदी, गुजराती भाषा में माता के भक्ति गीतों पर महिलाएं, बालिकाएं व युवा खुले दिल से गरबा और डांडिया खेल रहे हैं।

शाम होते ही गुजराती समाज संथा द्वारा आयोजित पंडाल में माता के भक्ति गीतों की गूंज सुनाई देने लगती है। महिलाओ, लड़कियों , युवाओं, बच्चों से लेकर बड़े लोग रंग बिरंगे परिधान में हिस्सा लेकर डांडिया खेल रहे है। महेश पार्क में नवदुर्गा के उपलक्ष्य में गुजराती समाज संथा के अध्यक्ष शैलेश देसाई के मार्गदर्शन में आयोजित गरबा पंडाल के कार्यकर्ता, गुरवंत व्यास,

दिनेश सेठ, किरीट संघवी, हेमू भाई मोदी, भाविक चंदाराना जीतू मेहता, आर आर सिंह पत्रकार (दैनिक सामना) राज तन्ना, दर्शन जोशी, नील देसाई, भरतेश द्रिवेदी, निलेश जोशी, महेश जोशी, मेहुल जोशी, केतन दोषी, कुणाल मारू, रेड्डी भाई, धर्मपाल, दीप देसाई, प्रीत वीरा, बालक मिश्रा, प्रीत छेड़ा, सहित महिला कार्यकर्ता, तेजल देसाई, संगीता सिंह, दीपाली मोदी, ईश्वरी मेहता, प्राणनली दोषी, हेली देसाई, पारुल संघवी, फॉर्म संघवी , विधि मोदी, मानसी मेहता, सहित कई कार्यकर्ताओ के देखरेख एवम अथक प्रयास से हर रोज लोग सुरक्षित ढंग से गरबा खेल रहे है । शाम को 7:30 बजे पंडाल में स्थापित माता की प्रतिमा के समक्ष आरती व पूजन के बाद गरबा नृत्य शुरू हो जाता है। इन आयोजनों में महिलाएं और बालिकाएं विशेष रूप से सज धज कर गरबा खेलती हैं। हर रोज परंपरागत रूप से वेशभूषा में शामिल हो कर गरबा और डांडिया के रंग में रंग रहे है। जहां हर गली - मोहल्ले में लोग गरबा के रंग में रंगे हुए हैं। वहीं वसई विरार के कई सोसायटियों में नवरात्रोत्सव की धूम मची है। शहर के विभिन्न सोसायटियों माता रानी की प्रतिमा विराजमान है। जहां पर पूजा अर्चना करने के पश्चात महिलाएं व बालिकाएं परंपरागत वेशभूषा धारण कर गरबा नृत्य कर रहे हैं। इसी प्रकार नालासोपारा पूर्व के तुलिंज रोड पर गुजराती समाज संथा द्वारा महेश पार्क में बड़े धूम धाम से गरबा का आयोजन किया जा रहा है। इस गुजराती समाज संथा के अध्यक्ष शैलेश देशाई और संथा के कार्यकर्ताओं के द्वारा वसई विरार के प्रथम महापौर राजीव पाटील, और पूर्व सभापति निलेश देशमुख का सम्मान संथा के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया।

भाजपा पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

वसई। वसई विरार जिला भाजपा द्वारा वसई मंडळ अध्यक्ष पश्चिम कपिल म्हात्रे द्वारा आगाशी क्षेत्र के अन्वये शक्ति प्रमुख भूपेश राऊत के उंबर गोठण कार्यालय मे बूथ क्रमांक 9 से 13 तक के बूथ प्रमुख की बैठक की गयी। जिसमे सभी का परिचय लेने के बाद मतदार यादी मे मतदार की अदला बदली के बारे मे चर्चा किया। सभी बूथ प्रमुख को काम के बारे में और आगामीचुनाव को लेकर जानकारी दिया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर धुरी, मंडळ उपाध्यक्ष नरेंद्र सोनीमंडळ सचिव नागेश हेबळे आदि लाग उपस्थित रहे। वसई ग्रामीण पश्चिम मंडल के अध्यक्ष कपिल म्हात्रे ने सभी को अपना अपना मतदार का संपर्क और उनका मोबाईल नंबर और उनकी उपस्थिती के बारे में जानकारी देने को कहा।

बिल्डर की मनमानी के चलते बदहाली का जीवन जीने को विवश

भायंदर। भायंदर पूर्व के बीपी रोड स्थित लता कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के लोग पिछले कई वर्षों से बदहाली का जीवन जीने को विवश हो गए हैं। रिडेवलपमेंट के नाम पर 2012 में सोसायटी के साथ हुए करारनामे के तहत रश्मि बिल्डर्स ने उनके घरों को तो तोड़ दिया, परंतु 2016 तक सिर्फ ग्राउंड फ्लोर का स्लैब डालकर काम बंद कर दिया। अब स्थिति यह है कि यहां के लोग मारे मारे फिर रहे हैं। अनेक लोगों की आर्थिक हालत तो बेहद खराब हो गई है। लोगों को बस कोर्ट का ही सहारा है। सोसाइटी में 196 फ्लैट तथा 12 दुकानें थी। एग्रीमेंट के अनुसार सभी को 850 रुपए प्रति वर्ग फीट की दर से बिल्डर को पैसे देना था। अनेक लोगों ने तो पूरा पैसा दे दिया है जबकि कुछ लोगों ने आधे से अधिक राशि जमा कर दी है। मुंबई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट महेश काबरा इनका अधिकार दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। एडवोकेट काबरा ने ऐसे कई रीडिवेलपमेंट के मुकदमे लड़े है और एडवोकेट काबरा के अनुसार यहां के लोग इस रश्मि बिल्डर से तंग आ चुके हैं और सोसाइटी मीटिंग में सर्व सहमति से रश्मि बिल्डर का बहिष्कार कर दिया है। ऐसे में किसी दूसरे बिल्डर की कानूनी तौर पे नियुक्ति कर के ही रिडेवलपमेंट का काम हो सकता है ऐसा लोगो का कहना है। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि कोर्ट यहां के लोगों के बदहाल जीवन को देखते हुए तत्कालीन सही दिशा निर्देश करेगा जिससे बेघर लोगो को जल्द से जल्द अपने घर और दुकानें मिल जायेगी।

साइलेंट अलार्म से टीकाकरण के माध्यम से आशा की किरण तक

नवी मुंबई। मेनिनजाइटिस एक गंभीर टीका रोकथाम योग्य संक्रमण है जो विशेष रूप से बच्चों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ पैदा करता है। विश्व मेनिनजाइटिस दिवस का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इस बीमारी को हराने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना, प्रारंभिक पहचान की जीवनरक्षक क्षमता को बढ़ावा देना और टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम करना है। हर साल वैश्विक स्तर पर 2.5 करोड़ से अधिक मामले सामने आने के साथ, मेनिनजाइटिस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में से लगभग 70% पांच साल से कम उम्र के बच्चे हैं। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेनिन्जेस) के आसपास की परत की सूजन है और यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फंगल या वायरल संक्रमण के कारण होता है। मेनिनजाइटिस के रोगियों की नैदानिक विशेषताएं कारण, रोग के पाठ्यक्रम (एक्यूट, उप-एक्यूट या क्रोनिक), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और प्रणालीगत जटिलताओं (जैसे, सेप्सिस) के आधार पर भिन्न होती हैं। मेनिनजाइटिस के सामान्य लक्षण हैं गर्दन में अकड़न, बुखार, भ्रम या बदली हुई मानसिक स्थिति, सिरदर्द, मतली और उल्टी। दौरे, कोमा और तंत्रिका संबंधी कमी (उदाहरण के लिए श्रवण या दृष्टि हानि, संज्ञानात्मक हानि, या अंगों की कमजोरी) कम आम लक्षण हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज, नवी मुंबई में बाल चिकित्सा के प्रोफेसर डॉ. जीतेंद्र गव्हाणे कहते हैं, ‟मेनिनजाइटिस संक्रमण को रोकने के लिए टीकाकरण एक आधारशिला है। भीड़-भाड़ वाले वातावरण में रहने वाले प्रतिरक्षाविहीन व्यक्तियों और कॉलेज के छात्रों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा और प्रकोप के जोखिम को कम करने के लिए टीकाकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

नहीं रहे काशी के मर्मज्ञ प्रो. कौशल किशोर मिश्रा, पूरे दिन सोशल मीडिया पर होता रहा ट्रेंड

वाराणसी। काशी के अक्खड़-फक्कड़-खांटी बनारसीपन के पर्याय... काशी को पूर्णतः समर्पित... राजनीति शास्त्र और सामाजिक विज्ञान के मूर्धन्य विद्वान बनारस को बनारसी अंदाज में जीने वाले, काशी हिंदु विश्वविद्यालय के राजनीतिक शास्त्र के प्रो. पं. कौशल मिश्र का गुरुवार को निधन हो गया। वे 67 वर्ष के थे। वे अपने पीछे पत्नी सहित एक पुत्र एवं दो पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए। मुखाग्नि उनके सुपुत्र कृतार्थ मिश्रा ने दी। परिजनों के मुताबिक वे बीते एक पखवारे से बीमार थे। हालांकि वे कोरोना सहित कई बीमरियों को मात दे चुके थे, लेकिन इस बार लंग्स रोग ने ऐसा जकड़ा की उनकी एक न चली। उन्हें मौत का आभास हो चुका था। शोशल मीडिया फेसबुक पर 27 सितंबर को ही पोस्ट कर कहा, एकाएक तबियत बिगड़ गयी है, सबको राम-राम। सुबह जब उनके निधन की खबर मिली तो उनको हर चाहने वालों ने सोशल मीडिया से लेकर काशी के अड़ियों तक यही पोस्ट चस्पा व चर्चा करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता दिखा। भोजपुरी गायिका मालिनी अवस्थी से लेकर काशी के मंत्री, विधायक, पत्रकार, बद्धजीवी व आम जनमानस तक उनके इस असामयिक निधन से दुखी नजर आया। लंका स्थित उनके आवास से पार्थिव शरीर जब हरिश्चंद के लिए निकला तो रास्ते से लेकर घाट तक नम आंखों से श्रद्धांजलि व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। हर सख्श उनके साथ बीताएं लमहों, कार्यो व उनकी बेबाकी की आपस में बातें करता रहा। वरिष्ठ पत्रकार अरुण मिश्रा ने अपने फेसबुक पर उनकी यादों को शेयर करते हुए कहा, गुरुजी का यूं जाना खल गया. जब दुनिया करोना काल में घरों में दुबकी पड़ी थी उस वक्त आप ने ठेठ बनारसी रंग में हम सबको जीने का भरोसा दिलाते रहे. सोशल मीडिया पर आप को चाहने वाले लाखों लोग पोस्ट का इंतजार

करते. बेबाकी से जो ठीक लगता बोलते रहे. असल में वह खांटी बनारसियत के पद्मविभूषण थे। या यूं कहें तो अब कोई दूसरा कौशल गुरू नही होगा। उनके बड़े भाई अरविंद मिश्रा ने भी उन्हें भावीभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, बनारस का होना और बनारस को जीना दोनो ही मामले में गुरूजी पूरक थे। रिटायरमेंट के बाद भी उनमें अल्हड़पन था। मिजाजी थे। कुछ भी कहने में कही कोई हिचक नहीं। मस्तमौला और जिंदादिली कोई उनसे सीखे। उनकी उम्र से आधे लोग उनके बाल सखा जैसे थे। एशिया के सबसे बड़े संस्थान के राजनीतिक विज्ञान विभाग में प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष होने के बावजूद कभी कोई गुमान नही था। राजनीतिक, सामाजिक विषयों पर गहरी पकड़ थी। बीते सात दशक बाद भी अपनी बातो में, मिजाज में, अल्हड़पन, चुहलबाजी, पहनावा, बोलचाल, अड़ीबाजी में, होली दिवाली में गुरुजी की रगो में अंत तक बनारसियत जिंदा रहा। तभी तो बीते 27 सितंबर को उन्होंने तबियत खराब होने पर फेसबुक पर लिखा, सबको राम राम...। कुछ भी हो गुरूजी, आपके बिना अस्सी की अड़ी में अब वह तासीर नही रहेगी। गुरुजी का जाना काशी की राजनीतिक, सामाजिक बौद्धिक रूप से अपूरणीय क्षति है।

बीएचयू के प्रोफेसर एवं संकट मोचन मंदिर के महंत पं. विश्वंभरनाथ मिश्र व डॉक्टर विजयनाथ मिश्र ने कहा, कौशल जी जैसा बहुआयामी व्यक्तित्व बहुत कम ही लोगों को मिल पाता है। उनके अलमस्त और अद्भुत ठेठ व्यक्तित्व में जैसे बनारस जीता था। वे विद्यार्थियों के प्रिय थे। अध्यापकों और कर्मचारियों के हक के लिए लड़ने वाले थे. सबको प्रसन्न रखने वाले गुरु प्रो. कौशल किशोर मिश्रा जी का असमय जाना मन को द्रवित और अभिव्यक्तियों को निःशब्द कर दिया। प्रोफेसर मिश्र ताउम्र बनारसी अंदाज को जिए और उनके उन्मुक्त ठहाकों ने बनारस को जीवंतता प्रदान की। उनके असामयिक निधन से काशीवासी मर्माहत हैं। प्रो. मिश्र के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डा. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा उनके असामयिक निधन से बीजेपी को अपूरणीय क्षति हुई है। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि बनारसीपन का पर्याय रहे कौशल किशोर अपने शब्दों के बाणों से विपक्षियों को भेद डालते थे। उनका असमय चले जाना पार्टी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मेयर अशोक तिवारी ने कहा कि प्रो. मिश्र के निधन से हम सभी मर्माहत हैं। प्रो. मिश्र के व्यक्तित्व और कृतित्व के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रो. कौशल मिश्र के निधन से पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरा दुःख व्याप्त है। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि प्रो. मिश्र के निधन से हम सभी मर्माहत हैं और हमारी संवेदनाएं उनके परिवारजनों के साथ हैं। शोक व्यक्त करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, एमएलसी धर्मेन्द्र राय, सुनील मिश्रा, अनूप मिश्रा, दिनेश मिश्रा, पवन शर्मा सहित अनेकों कार्यकर्ता व प्रबुद्धजन शामिल है। इसके अलावा पत्रकारों में शोक व्यक्त करने वालों में काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ तिवारी, एके लारी, आर संजय, विक्रांत दुबे व डीएवी कालेज के प्रो एवं चीफ प्राक्टर सत्यजीत, एडवोकेट आनद शर्मा आदि प्रमुख रहे।